WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 247 | लखनऊ, गुरुवार, 27 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

बॉयफ्रेंड रोहमन के साथ सुष्मिता सेन का क्यूट वीडियो आया सामने

कोविड-19 के प्रभावी नियंत्रण के लिए हर दिन हों डेढ़ लाख कोरोना टेस्ट:योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कल कोविड-19 के 1 लाख 46 हजार टेस्ट किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए टेस्टिंग क्षमता को शीघ्र बढ़ाकर 1 लाख 50 हजार टेस्ट प्रतिदिन किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना के संक्रमण को नियंत्रित करने में टेस्टिंग की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए इस कार्य में वृद्धि के प्रयास निरन्तर जारी रखे जाएं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के प्रभावी नियंत्रण के लिए कोरोना से दो कदम आगे की सोच रखनी होगी, क्योंकि यह एक महामारी है। इसकी प्रकृति को समझने के लिए अभी और अध्ययन एवं अनुसंधान की आवश्यकता है। इसके दृष्टिगत उन्होंने कोरोना से ठीक हुए मरीजों की मेडिकल ट्रीटमेंट विधि का गहन अध्ययन किए जाने पर बल देते हुए कहा कि इससे आगे की रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा अपनायी गई रणनीति के परिणामस्वरूप देश और दुनिया की तुलना में प्रदेश में कोविड-19 से मृत्यु की दर काफी कम है। मृत्यु दर को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए हर सम्भव प्रयास करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए और कारगर रणनीति अपनायी जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपने-अपने जनपदों में सर्विलांस, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग, डोर-टू-डोर सर्वे एवं मेडिकल टेस्टिंग में वृद्धि करें। कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने में इन सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेण्टर द्वारा होम आइसोलेशन में रह रहे संक्रमित मरीजों से नियमित संवाद रखते हुए रोगियों की स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की जाए। कोविड अस्पतालों में मरीजों का पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कोविड चिकित्सालयों में रोगियों के उपचार के लिए समस्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए जनता को निरन्तर जागरूक किया जाए। टी0वी0, रेडियो, समाचार पत्रों, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पोस्टर-बैनर आदि के माध्यम से लोगों को जानकारी प्रदान की जाए। उन्होंने मास्क के अनिवार्य उपयोग तथा दो गज की दूरी बनाए रखने के सम्बन्ध में आमजन को विशेष रूप से जागरूक किए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक इकाइयों के संचालन में सोशल डिस्टेंसिंग तथा स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 की हाई स्कूल तथा इण्टरमीडिएट परीक्षाओं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किए जाने का प्रस्तावित कार्यक्रम कोविड-19 के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया जाए। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास तथा पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य आलोक कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कोविड-19 के प्रभावी नियंत्रण के लिए कोरोना से दो कदम आगे की सोच रखनी होगी: सीएम योगी

कोरोना वायरस का कहर जारी

कोरोना के 67 हजार से अधिक नये मामले, करीब 63 हजार स्वस्थ

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है और एक दिन में 67 हजार से अधिक मामले सामने आये हैं हालांकि राहत की बात यह रही कि इसी अवधि में करीब 63 हजार मरीज स्वस्थ हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार की सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 67,151 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 32,34,475 हो गया। इसी दौरान 63,173 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 24,67,759 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामलों में 2919 की वृद्धि हुई है और इनकी संख्या 7,07,267 हो गयी है। देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान 1059 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 59,449 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 21.87 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 76.30 प्रतिशत है जबकि

मृतकों की दर 1.84 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या सबसे अधिक 2204 घटकर 1,66,239 रह गयी तथा 329 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 22,794 हो गया। इस दौरान 12,300 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 5,14,790 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 416 बढ़ने से सक्रिय मामले 89,932 हो गये। राज्य में अब तक 3360 लोगों की मौत हुई है, वहीं 9419 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 2,78,247 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। कोरोना संक्रमण के मामलों में पूरे देश में चौथे स्थान पर स्थित दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 1199 की वृद्धि हुई है और यहां अब 82,429 सक्रिय मामले हैं। मरने वालों का आंकड़ा 148 बढ़कर 4958 पर पहुंच गया है।

जेईई, नीट प्रवेश परीक्षा के विरोध में युवक कांग्रेस का प्रदर्शन

नयी दिल्ली, एजेंसी। युवक कांग्रेस ने कोरोना महामारी केबीच इंजीनियरिंग और मेडिकल में प्रवेश के लिए जेईई और नीट परीक्षाएं आयोजित करने का विरोध करते हुए बुधवार को यहां शिक्षा मंत्रालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करते हुए इन परीक्षाओं के आयोजन को स्थगित करने की सरकार से मांग की। युवक कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास वीबी ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का यह कदम औचित्यहीन है और इससे महामारी को बढ़ावा मिल सकता है। उनका कहना था कि महामारी की चपेट में आये गृह मंत्री अमित शाह को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और कई राज्यों के मुख्यमंत्री इससे प्रभावित हुए हैं इसके बावजूद समझ से परे है कि सरकार इन परीक्षाओं को क्यों आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को देश के लाखों छात्रों के जीवन की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिये लेकिन वह इन परीक्षाओ को आयोजित कर छात्रों के जीवन को जोखिम में डालने का काम कर रही है। श्रीनिवास ने कहा कि सरकार को उन लोगों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया कराने चाहिए जिन्होंने कोरोना के कारण नौकरियां खोई है लेकिन ऐसा करने की बजाय वह नीट और जेईई परीक्षा का आयोजन का लाखों छात्रों की जीवन से खिलवाड़ कर मुद्दों से ध्यान हटाने का प्रयास कर रही है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग दूसरे दिन भी बंद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के बाद रामबन जिले में कई जगहों पर ताजा भूस्खलन होने से 270 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बुधवार को लगातार दूसरे दिन बंद रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कश्मीर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाले इस एकमात्र राजमार्ग पर डलवास में भूस्खलन के चलते सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इसकी वजह मंगलवार सुबह से वाहनों की आवाजाही बंद है। यातायात पुलिस उपाधीक्षक (राष्ट्रीय राजमार्ग) अजय आनंद ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यातायात फिर से शुरु करने के लिये डलवास में भूस्खलन के बाद सड़क साफकरने में जुटा है, लेकिन ताजा भूस्खलन के कारण यह काम पूरा नहीं हो पाया है।

गुपकर एजेंडा के समर्थक पाकिस्तान के समर्थक हैं

जम्मू, एजेंसी। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई ने केंद्रशासित प्रदेश की विपक्षी पार्टियों द्वारा राज्य का विशेष दर्जा बहाल करने की लड़ाई लड़ने के प्रस्ताव की मंगलवार को निंदा की और कहा कि चुपकर एजेंडे के समर्थक, पाकिस्तान के समर्थक हैं।ज्ज् जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना ने यहां मुख्यालय में पार्टी कार्य समिति की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य धारा की पार्टियों विशेषकर नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस पर पिछले सप्ताह उनके द्वारा घोषित गुपकर घोषणा पत्र को लेकर तीखा हमला बोला। इस बैठक में वीडियो कांफ्रेंस के जरिये केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी शामिल हुए।गौरतलब है कि 22 अगस्त को छह क्षेत्रीय पार्टियों ने पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद-370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने के फैसले को असंवैधानिक करार देते हुए फिर से इसकी बहाली के लिए मिलकर संघर्ष करने का ऐलान किया था।

ईएमआई ब्याज मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को लगायी फटकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बैंक ऋण पर लॉकडाउन की अवधि के बकाये मासिक किस्त (ईएमआई) की ब्याज पर रोक संबंधी याचिका पर केंद्र सरकार के 'दो कदम आगे और चार कदम पीछे' वाले रवैये के लिए बुधवार को उसे कड़ी फटकार लगायी और कहा कि सरकार इस मामले में रिजर्व बैंक की आड़ न ले। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की खंडपीठ ने कहा कि केंद्र आरबीआई की आड़ लेना छोड़े और अपना रुख स्पष्ट करे। खंडपीठ ने कहा कि आप (केंद्र सरकार) अपना रुख स्पष्ट करें। आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कदम उठाना आपकी जिम्मेदारी है। आपके पास पर्याप्त अधिकार हैं। आप केवल आरबीआई पर निर्भर नहीं रह

सकते। खंडपीठ ने केंद्र सरकार को उस वक्त फटकार लगायी जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बैंकिंग संस्थान भी परेशान हैं। इस पर खंडपीठ काफी नाराज हो गयी। न्यायालय ने कहा, यह केवल व्यावसायिक हितों का ध्यान रखने का समय नहीं है, बल्कि आपको लोगों की दुर्दशा पर भी विचार करना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल ने हलफनामा दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय मांगा, जिसे उसने मान लिया और मामले की अगली सुनवाई के लिए एक सितम्बर की तारीख मुकर्रर की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राजीव दत्त ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से बार-बार सुनवाई टालने की मांग की जा रही है, अभी तक कोई भी हलफनामा नहीं दाखिल किया गया है, न केंद्र, न आरबीआई की ओर से। न्यायमूर्ति भूषण ने कहा कि सरकार को आपदा प्रबंधन अधिनियम पर अपना रुख बताना होगा और यह भी बताना होगा कि क्या ब्याज पर ब्याज का हिसाब किया जाएगा। न्यायालय ने कहा कि यह केवल व्यवसाय के बारे में सोचने का समय नहीं है। गौरतलब है कि यह मामला उस याचिका से संबंधित है, जिसमें आरबीआई से अनिवार्य लोन मोरेटोरियम के दौरान छूट की मांग की गई है।

शहीद मनीष कारपेंटर का पार्थिव शरीर पहुंचा एपी

भोपाल, एजेंसी। कश्मीर के बारामुला में शहीद हुए मध्य प्रदेश के जवान मनीष कारपेंटर को सीएम शिवराज सिंह चौहान ने 3म्डम् आर्मी सेंटर हॉस्पिटल परिसर भोपाल में पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। 22 वर्षीय राजगढ़ निवासी मनीष कारपेंटर बारामूला के संघर्ष में जवाबी फायर करते हुए शहीद हो गए हैं। उनका अंतिम संस्कार आज पूरे राजकीय सम्मान के साथ खुजनेर जिला राजगढ़ में किया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि शहीद परिवार को एक करोड़ की सम्मान निधि, परिवार के एक सदस्य को उनकी सहमति पर शासकीय सेवा में नियुक्ति, ग्राम में शहीद की प्रतिमा की स्थापना और किसी संस्था का नाम शहीद के नाम पर किया जाएगा। शहीद मनीष का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए राजगढ़ जिले के खुजनेर ले जाया जा रहा है। इस दौरान 3मउम सेंटर में कलेक्टर भोपाल अविनाश लवानिया, ब्रिगेडियर आशुतोष शुक्ला, कमांडेंट डॉ अजोय मेनन और सेना के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

ड्रग्स कनेक्शन के बाद रिया पर कसा शिकंजा नारकोटिक्स ब्यूरो ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की खुदकुशी के मामले में चल रही जांच में ड्रग्स का एंगल सामने आने के बाद नारकोटिक्स ब्यूरो ने बुधवार को रिया चक्रवर्ती पर शिकंजा कस दिया। रिया और अन्य के खिलाफ ब्यूरो ने मामला दर्ज किया है। इस बात की जानकारी देते हुए अधिकारी ने बताया, मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने रिया चक्रवर्ती, अन्य के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। यह मामला रिया और अन्य के खिलाफ प्रतिबंधित ड्रग की कथित लेनदेन की जांच के सिलसिले में दर्ज किया गया है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अभिनेता की प्रेमिका रिया चक्रवर्ती से पूछताछ कर रही है। इसी दौरान ईडी ने प्रतिबंधित

मादक पदार्थों संबंधी उसके (रिया चक्रवर्ती के) कथित संपर्कों के बारे में सीबीआई तथा मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) को कुछ साक्ष्य साझा किए हैं। हालांकि, रिया के वकील ने इस तरह के आरोप को पूरी तरह खारिज किया है। अधिकारियों ने मंगलवार (25 अगस्त) को कहा था कि केंद्रीय जांच एजेंसी कुछ खास डेटा पर ध्यान दे रही है और ये प्रथम दृष्टया÷ इनपुट केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) तथा एनसीबी के साथ साझा किए गए हैं, लेकिन इन एजेंसियों के साथ साझा किए गए ब्योरे की प्रकृति का खुलासा नहीं किया गया है। अभिनेत्री के वकील सतीश मानेशिन्दे ने आरोपों के जवाब में कहा है कि रिया ने अपने जीवन में कभी भी मादक पदार्थों का सेवन नहीं किया है।

कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर केजरीवाल का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। महामारी कोरोना वायरस का आतंक थमता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। देश की राजधानी दिल्ली पर भी यह जमकर कहर बरपा रहा है। इसी को देखते हुए राज्य के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आपात बैठक बुलाई है, जिसमें कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने ऐलान किया आने वाले दिनों में दिल्ली में टेस्टिंग डबल की जाएगी। केजरीवाल ने कहा ध्कि पिछले कुछ दिनों में दिल्ली में कोरोना के केस में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, हालांकि बाकी आंकड़े कंट्रोल में हैं। पिछले कुछ दिनों से कोरोना के केस में बढ़ोतरी नजर आ रही है। हालांकि बाकि सब पैरामीटर ठीक है। उन्होंने कहा कि रिकवरी रेट 90: से ऊपर है और मौत के आंकड़ों में लगातार कमी आ रही है।

मैं महीनों से बोल रहा था उसे आरबीआई ने माना

अर्थव्यवस्था पर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर किया कटाक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक ताजा रिपोर्ट का हवाला देते हुए बुधवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि ध्यान भटकाने से नहीं, बल्कि खर्च बढ़ाने और गरीबों के हाथों में पैसे देने से अर्थव्यवस्था पटरी पर आएगी। राहुल ने ट्वीट किया, जिस बारे में मैं महीनों से आगाह कर रहा था उसकी पुष्टि आरबीआई ने की है। सरकार को अब ज्यादा खर्च करने की जरूरत है, कर्ज देने की जरूरत नहीं है। गरीब को पैसा दीजिए, उद्योगपतियों के कर में कटौती नहीं। खपत से अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाइए। कांग्रेस नेता ने कहा कि मीडिया के जरिए भटकाने से

गरीबों की मदद नहीं होगी और न ही आर्थिक त्रासदी गायब होगी। आरबीआई ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि अर्थव्यवस्था में मांग को पटरी पर आने में लंबा समय लगेगा और इसका कोविड-19 के पहले के स्तर पर पहुंचना सरकारी खपत पर निर्भर करेगा। दूसरी तिमाही में भी जारी रह सकता है आर्थिक संकुचनरू इससे पहले रिजर्व बैंक ने मंगलवार को कहा कि आर्थिक गतिविधियों में गिरावट चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भी जारी रह सकती है।

सीएम हेमंत सोरेन समेत झारखंड के नौ मंत्री होम कोरेंटिन में

स्वास्थ्य मंत्री अस्पताल में, सिर्फ रामेश्वर उरांव जा रहे मंत्रालय

रांची, एजेंसी। पूरी दुनिया की रफ्तार रोक देने वाले कोरोना वायरस के संक्रमण ने झारखंड में मंत्रालय के अधिकतर कामकाज को ठप कर दिया है। मुख्यमंत्री समेत लगभग सभी मंत्री कोरोंटिन में जा चुके हैं। सिर्फवित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव मंत्रालय जाते हैं और अपने विभाग के कामकाज निबटाते हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता कोरोना पॉजिटिव होने के बाद से सूबे के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेज (रिम्स) के कोविड19 वार्ड में अपना इलाज करवा रहे हैं। कोरोना के संक्रमण की पुष्टि के पहले बन्ना गुप्ता ने कैबिनेट की बैठक में भाग लिया था। कैबिनेट की उस मीटिंग में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर को छोड़कर सभी मंत्री शामिल हुए थे। इसलिए एहतियातन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत सभी मंत्री होम कोरेंटिन में चले गये। इसके बाद से कोई भी मंत्री मंत्रालय स्थित अपने कार्यालय नहीं जा रहा है। इस बीच, कई मंत्रियों ने अपनी कोरोना जांच करवायी। ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम की कोरोना रिपोर्ट आ गयी है। उनकी रिपोर्ट निगेटिव है। यानी ग्रामीण विकास एवं संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम कोरोना से संक्रमित नहीं हैं।

देश में कोरोना मृत्यु दर 1।84 प्रतिशत पर स्थिर

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान 1,059 कोरोना संक्रमितों की मौत होने के बीच कोरोना मृत्यु दर 1।84 प्रतिशत पर स्थिर रही। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 24 अगस्त को देशभर में 1,059 कोरोना संक्रमितों की मौत हो गयी, जिससे अब तक इस संक्रमण के कारण जान गंवाने वाले व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 59 हजार के पार 59,449 हो गयी है। मंत्रालय द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार, गुजरात में मृत्यु दर 3।3 प्रतिशत है। जम्मू कश्मीर में 1।9 प्रतिशत, तमिलनाडु में 1।7 प्रतिशत, कर्नाटक में 1।7 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 1।5 प्रतिशत, राजस्थान में 1।3 प्रतिशत, हरियाणा में 1।1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 0।9 प्रतिशत, तेलंगाना में 0।7 प्रतिशत, ओडिशा में 0।5 प्रतिशत, बिहार में 0।4 प्रतिशत, केरल में 0।4 प्रतिशत और असम में 0।3 प्रतिशत है।

14 सितंबर से शुरू हो सकता है संसद का मानसून सत्र

कोरोना काल में दिखेगा सदन का नया अंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना संकट के बीच संसद के मानसून सत्र के 14 सितंबर से शुरू होने की संभावना है। कोरोना महामारी से बचाव के लिए सदन में ऐसा बहुत कुछ होगा जो संसदीय इतिहास में पहली बार होगा। जैसे कि संसद की कार्यवाही बिना किसी छुट्टी के रोजाना चलेगी।एक सदन की कार्यवाही सुबह की पारी में चलेगी तो दूसरी शाम की पारी में होगी।बता दें कि कोरोना काल में पहली बार है जब संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है, इससे पहले कई बार इसे टाला जा चुका है। द हिन्दू की रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में संसदीय मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने सिफारिश की है कि 18 बैठकों के साथ संसद का मानसून सत्र 14 सितंबर से 1 अक्टूबर तक आयोजित किया जाए। मार्च महीने में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन

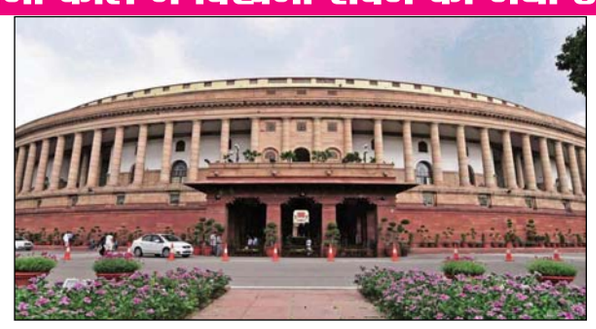

लागू किया गया था जिसे चरणबद्ध तरीके से खोला जा रहा है। अनलॉक-4 में छूट के बाद संसद की बैठक बुलाई जाएगी। इसके लिए दोनों सदनों में सदस्यों के बैठने के बंदोबस्त को लेकर विशेष सावधानियां बरती जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार इस तरह की व्यवस्था होगी जहां 60 सदस्य चौंबर में बैठेंगे और 51 सदस्य राज्यसभा की दीर्घाओं में बैठेंगे। इसके अलावा बाकी 132 सदस्य लोकसभा के चौंबर में बैठेंगे। साथ ही बताया गया है कि दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की कार्यवाही बगैर किसी छुट्टी (शनिवार और रविवार भी शामिल) के चलेगी। आम तौर पर दोनों सदनों में एक साथ बैठकें होती हैं लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस बार असाधारण परिस्थिति के कारण एक सदन सुबह के समय बैठेगा और दूसरे की कार्यवाही शाम को होगी। लोकसभा सचिवालय भी सदस्यों के बैठने के लिए इसी तरह की व्यवस्था कर रहा है। दीर्घाओं से भागीदारी के लिए पहली बार बड़े डिस्प्ले वाली स्क्रीन और कंसोल लगाए जाएंगे। दोनों सदनों के बीच विशेष तार बिछाए जाएंगे और कुर्सियों के बीच पॉलीकार्बोनेट शीट की व्यवस्था होगी। बता दें कि राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू और लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने 17 जुलाई को बैठक कर सत्र चलाने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार-विमर्श करने के बाद दोनों सदनों के चौंबरों और दीर्घाओं का इस्तेमाल करने का फैसला किया। महामारी के कारण संसद के बजट सत्र की अवधि में कटौती कर दी गयी थी और 23 मार्च को दोनों सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

लखनऊ काकोरी के पास हुआ भयानक हादसा दो बसें आमने-सामने आपस में भिड़ीं 18 से 20 लोगों के मारे जाने की संभावना हरदोई डिपो व कैसरबाग डिपो की बस बताई जा रही हैं।

सपा का पोस्टरवार, कहा- बेटी बचाओ-भाजपा भगाओ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में भले ही विधानसभा चुनाव में डेढ़ साल का वक्त बाकी है, लेकिन राजनीतिक पार्टियां अभी से ही 2022 चुनाव को लेकर अलर्ट मोड पर है। ऐसे में समाजवादी पार्टी भी 2022 चुनाव से पहले सरकार को घेरना का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। इसी बीच लखनऊ में सड़कों पर योगी सरकार के खिलाफ पोस्टर लगाए गए है। इन पोस्टर के माध्यम से योगी सरकार को ब्राह्मण विरोधी बताया गया है। साथ ही पोस्टर के जरिए बेटी बचाओ भाजपा भगाओ का भी नारा दिया गया है। बता दें कि के दारुलशफा की दीवारों पर समाजवादी छात्र सभा के नेता विकास यादव द्वारा सीएम योगी का विवादित पोस्टर लगाया गया है। जिसमे योगी को

ब्राह्मणों के ऊपर फरसा ताने खड़ा हुआ दिखाया गया है। अखिलेश यादव को मुकुट पहना कर उन्हें बचाने वाला दर्शाया गया है। यही नही पोस्टर में भगवान परशुराम का चित्र भी बना हुआ है। पोस्टर में किनारे ही एक कार्टून बनाया गया है, जिसमें सफेद कोट पहने व्यक्ति मरीज का इलाज कर रहा है। ऑक्सीजन सिलेंडर के रूप में सीएम योगी की तस्वीर लगाई गई है। कोविड महामारी की आड़ में धन की उगाही का स्लोगन लिखा है। यही नही फरसा लिए सीएम योगी के पीछे केशव मौर्य और जेपी नड्डा की तस्वीर भी बनाई गई है। विवादित पोस्टर पर हंगामा मचने के बाद हजरतगंज पुलिस ने विवादित पोस्टर को हटवा दिया है। साथ ही पोस्टर लगाने वाले के खिलाफ कार्रवाई का भी निर्देश दिया गया है। गौरतलब है कि 16 जून 2020 को राजधानी लखनऊ में वीवीआईपी गेस्ट हाउस की दीवार पर विवादित पोस्टर लगाए गए थे। जिसमें 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती और पशु धन विभाग में टेंडर घोटाले को लेकर यह पोस्टर थे। इन विवादित पोस्टरों में पोस्टर लगाने वाले का नाम नहीं था। विवादित पोस्टर में सीएम योगी आदित्यनाथ और कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह के साथ आरोपियों की फोटो को दिखाया गया था। कुछ ही देर के बाद पुलिस ने पोस्टर हटवा दिए थे। अब यूपी में एक बार फिर से राजनीति में पोस्टर का वार शुरू हो गया है।

बिना उपयोग के बेकार खड़े है सारी सुविधाओं से युक्त 52 कोविड कोच

➲ प्रशासन कोविड अस्पताल बनवाने में व्यस्त-भूल गये रेलवे के कोविड कोचों को
➲ फ्रंटलाइन पर खड़े कोरोना से लड़ रहे जंग रेलवेकर्मी: डीआरएम

लखनऊ, संवाददाता। एक तरफ प्रशासन लिम्ब सेन्टर को 300 बेड का कोविड अस्पताल बनवाने में जनता की गाढ़ी कमाई बर्बाद करने में व्यस्त है। वही सारी सुविधाओं से परिपूर्ण पहले से बने रेलवे द्वारा तैयार कोविड आइसोलेशन कोचों के बारे में भूल ही गया है। आज जब कोरोना पॉजिटिव के लिये अस्पतालों में बेड न होने के कारण उनको होम आइसोलेशन में भेजा जा रहा है। जहां वे अपने साथ दस और लोगों को पॉजिटिव बना रहे है। ऐसे ही मौके के लिये रेलवे ने सारी मेडिकल सुविधाओं के साथ कोविड अस्पताल के

रूप में अपने साधारण कोचों को बदल कर तैयार कर दिया था। जिसे प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग भूल ही चुका है। रेलवे डीआरएम कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंडलीय कोचिंग डिपों ने माइल्ड कोविड मरीजों के लिये सारी मेडिकल आकस्मिता के अनुसार 52 कोविड आइसोलेशन कोच तैयार किये थे। जिनमें कुछ कोच गोरखपुर में भी तैयार किये गये थे। जिनमें 50 कोच ब्राड गेज लाइन के तथा दो कोच मीटर गेज के बनाये गये। इनको तैयार करके राज्य सरकार को सौप दिया गया था। जिला प्रशासन के और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण भी कर लिया था। परन्तु उनका उपयोग करना भूल गये और नये अस्पताल बनवाने में जुट गये। पीआरओ डीआरएम पूर्वोत्तर रेलवे के अनुसार सारी सुविधाओं से युक्त तैयार किये गये आइसोलेशन कोच के रेक गोण्डा, नौतनवा, बहराइच और गोरखपुर के पास नकहा जंगल में खड़े है। जिनका रख-रखाव रेलवे को करना पड़ रहा है। आज जरूरत के समय नये अस्पताल बनाने के बजाय इनका उपयोग प्रशासन को करना चाहिये। मंडलीय रेल प्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे डा0 मोनिका अग्निहोत्री के अनुसार कोरोना काल की विषम परिस्थितियों में भी मंडल के रेल कर्मचारियों ने अपना काम पूरी ईमानदारी से किया। फ्रंटलाइन पर खड़े होकर कोरोना से जंग लड़ी। यात्रियों से मारपीट भी हुयी कोरोना से मरे भी। पर अपना हौसला नहीं छोड़ा उन्होनें सराहनीय कार्य किया। उन्होनें रेल के पहियों को रूकने नहीं दिया।

प्रदेश में अगले तीन दिनों में बारिश की प्रबल संभावना

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मानसून के जल्द जोर पकड़ने की संभावना है और अगले तीन दिनों में बारिश की प्रबल संभावना है। आंचलिक मौसम केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में 27 अगस्त से बारिश होने की पूरी संभावना है और यह सिलसिला 28 और 29 अगस्त तक जारी रहेगा। फ्लिहाल प्रदेश में मानसून की चाल धीमी है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कुछ स्थानों पर बारिश हुई अथवा गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ीं। इस दौरान गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ तथा मुरादाबाद मंडलों में दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहा। बलिया और बस्ती राज्य के सबसे गर्म स्थान रहे जहां अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मायावती का ऐलान हर घटना के खिलाफ आवाज उठाएगी बसपा

लखनऊ, संवाददाता। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। मायावती ने मीडिया से कहा कि राज्य में अपराध की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है और अब तो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माने जाने वाले मीडिया जगत के लोग भी यहां आए दिन हत्या और जुर्म के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ मंडल में हुई पत्रकार की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। बसपा प्रमुख ने कहा कि राज्य में सरकार की बदहाली का हाल यह है कि बात-बात पर रासुका, देशद्रोह और अन्य अति संगीन धाराओं के इस्तेमाल के बावजूद भी यहां अपराध कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस दौरान मायावती ने एक बड़ा ऐलान किया। जिसमें उन्होंने कहा कि अब यूपी की हर अत्याचार की घटना पर बसपा का प्रतिनिधित्व मंडल पीड़ित परिवार से घटनास्थल पर जाकर मुलाकात करेगा। छोटी घटना पर फोन पर पीड़ित से बात की जायेगी, इसके लिए एक टीम बनायी जायेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक टीम का गठन किया है जिसमें अत्याचार के खिलाफ पीड़ित परिवार से मिलेंगे बसपा के वरिष्ठ नेता और उनकी आवाज उठायेंगे।बसपा सुप्रीमो मायावती ने 4 वरिष्ठ नेताओं को प्रतिनिधित्व मंडल में जगह दी है। जिस समाज के खिलाफअत्याचार होगा उस नेता को पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें न्याय और हर संभव मदद देने की बात कही है। दलित और आदिवासी समाज के लिए पूर्व बसपा के विधायक गयाचरण दिनकर को जिम्मेदारी दी गई है।

काकोरी-हरदोई रोड पर 2 रोडवेज बसों से ट्रक की भीषण भिड़ंत, 4 लोगों की मौत, कई घायल

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में तेज रफ्तार का कहर लगातार जारी है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में काकोरी के हरदोई रोड पर एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को उस वक्त मिला जब बुधवार की तड़के सुबह काकोरी के हरदोई रोड पर बाजनगर गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर दो रोडवेज बसों से टकराई। हादसा इतना भीषण था, कि दोनों बसों के परखच्चे उड़ गए। यात्रियों की चीख पुकार मच गयी। इस सड़क हादसे में चार की लोगों की मौत जबकि डेढ़ दर्जन लोगों के घायल हो गए है।

घटना की जानकारी मिलते ही आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंची। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। हादसे में घायल दोनों बसों के चालक व कंडक्टर को ट्रामा भेजा गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फ्लिहाल पुलिस फोर्स मौजूद है और जेसीबी की मदद से राहत बचाव कार्य में जुटी हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बस यात्रियों भरी हुई थी। ट्रक चालक लखनऊ की तरफ से आ रहा था। उसके पीछे रोडवेज बस थी। जो ओवर टेक करके आगे निकाला। लेकिन जब तक बस को सीधा किया गया, तब तक सामने से आ रही दूसरी रोडवेज बस में भिड़ंत हो गई। जिसके चलते सामने से आता ट्रक भी दोनों बसों से जा टकराई।

योगी कैबिनेट में फिर कोरोना ने दी दस्तक, मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी कोरोना पॉजिटिव

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में कोरोना वायरस लगातार बढ़ता जा रहा है। योगी सरकार में मंत्री भी कोरोना संक्रमण के अछूते नहीं है। वहीं अब पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी को भी कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। मंत्री ने ट्वीटर के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। बता दें कि यूपी में कोरोना से अब तक 2 मंत्रियों की मौत हो चुकी है। मंत्री भूपेंद्र सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि कोरोना के शुरूआती लक्षण दिखने पर मैंने अपना कोविड-19 का टेस्ट करवाया और मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डॉक्टर्स की सलाह पर मैं अस्पताल में भर्ती हो रहा हूँ। मेरा निवेदन है कि जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आयें हैं, कृपया वे स्वयं को आइसोलेट कर अपनी जाँच करवाएं।

फीस जमा नहीं हुई तो जेंट जोसेफ स्कूल ने बंद की बच्चें की पढ़ाई

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना संकट के बीच स्कूलों में ऑनलाइन एजुकेशन तो शुरू हो गई, लेकिन अभिभावकों को व्यापार, नौकरी में जिन समस्याओं का सामना करना पड़ा, उसका सामना बच्चे भी कर रहे हैं। स्कूलों में ऑनलाइन एजुकेशन के बने हुए ग्रुप में से फीस न जमा होने वाले बच्चों को बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। यह सिलसिला अधिकांश स्कूलों में पिछले तीन माह से चल रहा है। राजधानी में शुरू हुआ यह सिलसिला अब राजाजीपुरम के जेंट जोसेफ इण्टर कालेज का हैं, इसे लेकर लगातार अभिभावकों की शिकायतें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि फीस जमा न होने के कारण स्कूल बच्चों को ग्रुप से बाहर कर रहा हैं तो शिक्षिकाएं ऑनलाइन टीचिंग के दौरान फीस जमा न होने वाले बच्चों के सवालों पर रिस्पांस नहीं देती हैं। अभिभावक और बच्चो दोनों इस समस्या को लेकर तनाव में हैं। कोरोना संकट काल में फीस देने के लिए पर्याप्त धनराशि अभी तक कुछ अभिभावक जुटा नहीं पाए हैं। राजधानी में कुछ स्कूलों को लेकर ऐसे मामले सामने आए हैं जहां फीस जमा नहीं होने पर स्कूलों ने ऑनलाइन पढ़ाई के लिए बनाए गए ग्रुपों को बंद कर अभिभावकों को मैसेज भेज दिए हैं। फीस जमा होने के बाद ही पढ़ाई शुरू करने की बात कही है। इससे परेशान अभिभावकों ने इसकी शिकायत डीएम, शिक्षा विभाग और मुख्यमंत्री से करने की बात कही है। अभिभावकों ने बताया कि फीस जमा कराने के लिए स्कूलों द्वारा लगातार मैसेज भेजे जा रहे हैं। लॉकडाउन के दौरान मार्च से जुलाई तक की फीस जमा कराने के लिए कहा। अभिभावकों ने असमर्थता जताई तो स्कूल प्रबंधन ने 20 प्रतिशत छूट देने का वादा भी किया, लेकिन इसके बाद भी फीस जमा नहीं हो सकी। ऐसे में राजाजीपुरम के जेंट जोसेफ इण्टर कालेज स्कूल ने बच्चें की पढ़ाई बंद करते हुए ऑनलाइन ग्रुप भी बंद कर दिए। जब की सरकार का आदेश हैं किसी भी दशा में बच्चों की पढाई बंद न की जाए। मोती झील निवासी एकल अभिभावक सरिता सिंह ने बताया उनका बेटा विगत 7 वर्षो से राजाजीपुरम के जेंट जोसेफ इण्टर कालेज में पढाई कर रहा है इस समय वह कक्षा 7 का छात्र हैं अप्रैल माह तक उनकी पूरी फीस जमा थी फिर भी लगातार उन पर फीस जमा करने का दबाव स्कूल बनाये था उन्होंने आगे की फीस जल्द जमा करने की बात भी कही किन्तु फीस न जमा कर पाने पर दो दिन पहले उनके बेटे की पढ़ाई बंद करते हुए ऑनलाइन ग्रुप भी बंद कर दिए। वहीं अभिभावक रेनू, पूजा, सुनीता, बंटी, सर्वेश और छाया आदि का कहना है कि कामकाज और व्यापार सब प्रभावित है।

भाजपा की योगी सरकार ने अपराधियों को बेखौफ एवं बेलगाम कर दिया: माकपा

लखनऊ, संवाददाता। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मण्डल ने एक प्रेस बयान में कहा गया कि भाजपा की योगी सरकार ने अपराधियों को तो बेखौफएवं बेलगाम कर दिया है किन्तु लोकतांत्रिक विरोध और अपने विरोधियों में खौफपैदा करने में तेजी से लगी हुई है। वह इसके लिए दमनकारी हथकंडे अख्तियार कर रही है। बलिया में जिस तरह बेखौफबदमाशों ने एक पत्रकार की दुस्साहसिक हत्या की। लखीमपुर में फिर एक लड़की के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या की गयी इससे यही साबित हो रहा है कि मुख्यमंत्री की धमकियों का अपराधियों पर तनिक भी असर नहीं है। पत्रकार हत्या में तो पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध है। वहीं दूसरी तरफयोगी सरकार शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर हाल ही में विधानसभा में पास किये गये सम्पत्ति क्षतिपूर्ति कानून के अंतर्गत नोटिसें जारी कर रही है। इलाहाबाद जनपद सहित अन्य कई जिलों में सीएए तथा एनआरसी का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने वालों को नोटिसें भेजी जा रही हैं। माकपा राज्य सचिव मण्डल ने विरोध को कुचलने एवं विरोधी दलों के कार्यकर्ताओं में खौफपैदा करने के सरकार के दमनकारी रवैये का विरोध करते हुए सरकार को इससे बाज आने और अपराधों पर कारगर अंकुश लगाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने राज्य सूचना आयुक्त के भाई के निधन पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सूचना आयुक्त सुभाष चन्द्र सिंह के बड़े भाई हरिशचन्द्र सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

राज्यपाल महोदया, यूपी में महिला सुरक्षा के हालात बहुत खराब हो चुके हैं कृपया ध्यान दीजिए: प्रियंका गांधी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए योगी सरकार पर कड़ा हमला किया है। साथ ही राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से इन वारदातों को रोकने के लिए राज्य सरकार को सख्त कदम उठाने का निर्देश देने का आग्रह किया है। वाड्रा ने बुधवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि महामहिम राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश। उप्र में महिला सुरक्षा के हालात बहुत खराब हो चुके हैं। लखीमपुर की एक लड़की ऑनलाइन फॉर्म भरने जा रही थी। उसकी बलात्कार कर नृशंस तरीके से हत्या हो गई। यूपी में ऐसा अब रोज हो रहा है। आशा है महिला होने के नाते आप इसकी गंभीरता समझेंगी और संज्ञान में लेंगी।'कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव राज्य में बढ़ते अपराधों को लेकर प्रदेश सरकार को लगातार कटघरे में खड़ा कर रही हैं और महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार रोकने में विफल बता रही है।

नाका में ट्रांसपोर्टर ने पत्नी की हत्या कर खुद को मारी गोली

घरेलू विवाद में हुई घटना जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ, संवाददाता। नाका थाना क्षेत्र के पानदरीबा में रहने वाले 50 वर्षीय ट्रांसपोर्टर ने पत्नी से हुए विवाद के बाद खतरनाक कदम उठाते हुए अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से पत्नी की गोली मार कर हत्या करने के बाद खुद को भी गोली मार ली। गोली की आवाज सुन कर दूसरे कमरे में सो रहा बेटा दौड़ कर आया तो माता पिता को खून से लथपथ देख कर उसके होश उड़ गए। बेटे ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस मौके पर पहुची घायल पति को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार नाका थाना क्षेत्र के पान दरीबा में पत्नी मधु सिंह 2 बेटे आदित्य सिंह और आर्यन सिंह के साथ रहने वाले 50 वर्षीय अनुरूप सिंह ट्रांसपोर्टर है उनका एक बेटा आदित्य कनाडा में रहता है दूसरा बेटा आर्यन उनके साथ ही रहता है। मंगलवार की रात करीब दो बजे अनुरूप सिंह और उनकी पत्नी मधु के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ जिस समय विवाद हुआ उस समय अनुरूप सिंह नशे में थे।

घर के दूसरे कमरे में सो रहे आर्यन सिंह ने पुलिस को बताया कि मम्मी पापा के बीच काफी देर से विवाद हो रहा था मम्मी पापा से कुछ मांग रही थी इसी बीच विवाद बढ़ गया और अनुरूप सिंह ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से अपनी पत्नी मधु सिंह की गोली मार कर हत्या करने के बाद खुद भी अपने आपको गोली मार ली। गोली की आवाज सुन कर आर्यन आया तो उसके माता पिता खून से लथपथ पड़े हुए थे उसने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस मौके पर पहुची घायल अनुरूप सिंह को ट्रामा पहुचाया गया जहां उनकी हालत गम्भीर बताई जा रही है। ।क्ब्च् ने बताया कि घटना घरेलू विवाद के कारण हुई है ।ब्ब् कैसरबाग ने बताया कि घटना देर रात की है और अनुरूप सिंह ने नशे की हालत में घटना को अंजाम दिया है उनका कहना है कि अनुरूप सिंह के बेटे आर्यन सिंह के अनुसार देर रात मम्मी पापा में झगड़ा हो रहा था तभी पापा ने मम्मी की हत्या करने के बाद खुद को गोली मारी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

समाजवादी पार्टी का नगर कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न

हत्या, बलात्कार, लूट, डकैती, चोरी व छिनैती से प्रदेश में कायम हुआ जंगलराजः विपिन

सपा महिला सभा की 41 सदस्यीय कार्यकारिणी की हुई घोषणा, किया गया स्वागत

युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष व बसपा नेता ने थामा सपा का झंडा

फतेहपुर। युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रहे वेद प्रकाश उर्फराजन तिवारी ने अपने एक दर्जन साथियों के साथ समाजवादी पार्टी का दामन थामा। इस दौरान समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष विपिन सिंह यादव ने वेद प्रकाश तिवारी और उनके साथियों का माल्यार्पण कर व लाल टोपी पहनाकर समाजवादी पार्टी में स्वागत किया और कहां कि अब समाजवादी पार्टी जिले में और मजबूती से चुनाव लड़ सकेगी। इस दौरान बहुजन समाज पार्टी में रहे शाहनवाज अनवर भी अपने साथियों के साथ समाजवादी पार्टी का दामन थामा और कहां कि अब समाजवादी पार्टी में रहकर 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा को मजबूत करेंगे और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को एक बार फिर से मुख्यमंत्री बनाने का काम करेंगे।

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय शादीपुर में बुधवार को नगर कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष विपिन सिंह यादव व नगर अध्यक्ष मोहम्मद साबिर ने सभी पदाधिकारियों को माला व गमछा पहना कर सम्मानित किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी में सभी जाति व धर्मों के लोगों का सामान्य अधिकार है। समाजवादी पार्टी की नीतियों के बारे में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि इस समय भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। पूरे प्रदेश में जंगलराज है, चारों तरफ लूट, डकैती व हत्याएं हो रही है। सरकार का शासन/प्रशासन पर कोई लगाम नहीं है जिसकी वजह से प्रदेश की जनता परेशान है। आने वाला 2022 चुनाव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि अपने-अपने बूथ व विधानसभा क्षेत्र में जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों के बारे में जन-जन तक पहुंचाएं। इस मौके पर नफीसउद्दीन सिद्दीकी, चौधरी मंजर यार, बृजेंद्र सिंह यादव, रवीन्द्र सिंह यादव, नरेश यादव, शकील गोल्डी, वंदना राकेश शुक्ला, जियाउद्दीन कुरैशी, गुड्डू पाल, रिंकू सिंह, वीरेंद्र सिंह यादव, अशोक सिंह, पवन सविता आदि लोग मौजूद रहे।

उधर समाजवादी पार्टी की महिला सभा की जिलाध्यक्ष संगीता राज पासी ने जिलाध्यक्ष विपिन सिंह यादव के निर्देश पर जिले की कमेटी सहित विधानसभा अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष समेत कुल 41 महिला पदाधिकारियों की घोषणा की। नवगठित पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया। महिला सभा की जिलाध्यक्ष ने आई हुई महिलाओं को सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए सभी को मांस एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। संगीता राज पासी ने कहा कि कोरोना महामारी को संज्ञान में रखते हुए उचित दूरी बनाकर पार्टी का कार्य करें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से जनता ऊब चुकी है। प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। आए दिन चोरी, छिनैती, बलात्कार व हत्याएं चरम सीमा पर बढ़ रही है। प्रदेश की जनता अब आवाज उठाने लगी है। प्रदेश की सरकार उन पर फर्जी मुकदमा लगाकर जेल में डाल रही है। इसलिए जनता से अपील है कि 2022 में पूर्ण बहुमत से समाजवादी पार्टी की सरकार को बनाएं। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विपिन सिंह यादव, कपिल यादव, बृजेंद्र सिंह यादव, बंदना राकेश शुक्ला, प्रियंका पासी, रंजना पासी, आशा पाल, नीतू साहू, रामश्री, रूबी रहमान, नूरजहां, श्रेया यादव, सरिता, अनीता, श्याम पति, रामप्यारी, नीतू साहू आदि लोग मौजूद रहे।

अनाधिकृत निर्माण रोकने की जिम्मेदारी निभा रहा एलडीए खुद करा रहा है अबैध निर्माण

जिसके कंधे पर अनाधिकृत निर्माण रोकने की जिम्मेदारी हो यदि वही अबैध निर्माण कराए फिर न्याय की उम्मीद किस्से करेंगे। गोमती नगर विस्तार के जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नम्बर 7 पर एलडीए अबैध निर्माण करा रहा है। गोमती नगर विस्तार महासमिति के सचिव उमाशंकर दुबे ने बताया कि गोमती नगर विस्तार जनेश्वर मिश्र पार्क गेट नंबर 7 की खूबसूरती खुद लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा ही बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। मामला जनवरी 2020 का है जब एलडीए का तर्क था कि लखनऊ विकास प्राधिकरण कावेरी अपार्टमेंट के पास पानी की टंकी की बोरिंग फेल होने के कारण जनेश्वर मिश्र गेट नंबर 7 पर बोरिंग कराया रहा है। विस्तार के लोगो के लिए गेट नम्बर 7 जनेश्वर मिश्र पार्क में जाने का एकमात्र रास्ता है। इस बोरिंग के होने से न सिर्फ पाक की खूबसूरती प्रभावित होगी,इस संबंध में 28 जनवरी 2020 को महासमिति की शिकायत पर मौके पर पहुचे एलडीए विद्युत के अधिशासी अभियंता राजीव सिंह ने भी माना था कि यहां पम्प रूम बन जाने से अव्यवस्था हो जाएगी और पार्क की खूबशूरती भी प्रभावित होगी। राजीव सिंह ने जनहित में बोरिंग होने देने का आग्रह किया था और कहा था कि सिर्फ बोरिंग ही यहां होगी बाकी यहां पम्प रूम नही बनेगा पम्प रूम बगल में बने कावेरी पानी टंकी कैम्पस में बनेगा। लेकिन आज वहां पम्प रूम बनाने की योजना शुरू हो गईं इतना ही नही पम्प रूम के साथ 2 कमरे बन रहे है, इस प्रकार यदि कहा जाय तो न सिर्फ पूरे विस्तार की जनता के साथ धोखा है बल्कि एलडीए के एक बडे अधिकारी के द्वारा वादाखिलाफी भी है। उमाशंकर दुबे ने बताया कि महासमिति ने इसपर आपत्ति दर्ज की है एवं मामले में एलडीए वीसी से हस्तक्षेप करने की मांग की है यदि एलडीए एलडीए जबरजस्ती करता है तो न्यायालय का सहारा लिया जाएगा और जिम्मेदार अधिकारियों को मामले में व्यक्तिगत पार्टी बनाया जाएगा जिन्होंने विस्तार की जनता को धोखे में रखकर अबैध निर्माण कराया।

डिप्टी आरएमओ व मार्केटिंग इंस्पेक्टर के भ्रष्टाचार व धांधली की शिकायत

किसानों ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को भेजा शिकायती पत्र

असोथर, फतेहपुर। विपणन शाखा क्रय केंद्र में धान व गेहूं की खरीद में मार्केटिंग इंस्पेक्टर भीम सिंह व डिप्टी आरएमओ रमेश श्रीवास्तव की सांठगांठ के चलते व्यापक पैमाने पर धांधली करते हुए किसानों का धान न लेकर मिलर्सो से सेटिंग गेटिंग करके हजारों कुंतल धान व गेहूं की खरीद फर्जी किसानों के नाम दर्ज कर दिया गया। वहीं जब किसान अपना धान व गेहूं लेकर हाट शाखा के सेंटर जाता तो उसे कभी बोरियों की उपलब्धता न होना कभी धान में नमी ज्यादा बताकर वापस कर देते थे। जब इसकी शिकायत किसान नीरज सिंह, मनोज कुमार आदि दर्जनों लोगों ने प्रदेश के खाद्य रसद मंत्री रणवेन्द्र प्रताप सिंह के साथ ही जिले के जिलाधिकारी संजीव सिंह से किया, लेकिन कार्यवाही के नाम पर कुछ भी नहीं होने से मार्केटिंग इंस्पेक्टर व डिप्टी आरएमओ की धांधली में अधिक इजाफा हो गया जिससे किसानों को मजबूरी बस अपना धान, गेहूं औने-पौने दामों में बाजार में व्यापारियो के हाथ बेचना पड़ा।

अभी हाल ही में डिप्टी आरएमओ व मार्केटिंग इंस्पेक्टर के धांधली का मामला सोशल मीडिया में बहुत तेजी से वायरल हो रहा था। वायरल वीडियो में बारिश के दौरान भीगा गेहूं सड़ गया था जिसको मार्केटिंग इंस्पेक्टर द्वारा प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना पात्र गृहस्थी के लाभार्थियों को कोरोना वायरस जैसी महामारी के दौरान फ्री में बंटने वाले गेहूं के बोरों में पल्लेदारों द्वारा मिलवाया जा रहा था और इसके बाद कोटेदारों को वितरित भी किया गया। जिसके बाद पात्र गृहस्थी के लाभार्थियों ने जब सड़ा गेहूं देखा तो लेने से इंकार कर दिया जिसके बाद मामला तूल पकड़ने लगा और यह मामला जिले से लेकर राजधानी तक पहुंच गया। जिसके बाद सभी जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में बोलने से कन्नी काटने लगे।

सबसे बड़ी बात यह है कि खाद्य रसद मंत्री के गृह जनपद में इतना बड़ा खेल होता रहा और आज तक डिप्टी आरएमओ व मार्केटिंग इंस्पेक्टर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं है। यह सबसे बड़ा सवाल है इससे यही साबित होता है कि अगर खाद्य रसद मंत्री के गृह जनपद के यह हाल है तो अन्य जिलों व प्रदेश के क्या हाल होंगे। वहीं सबसे बड़ी बात यह है कि डिप्टी आरएमओ व मार्केटिंग इंस्पेक्टर का नेटवर्क इतना बड़ा है कि मार्केटिंग इंस्पेक्टर का तबादला होने के बावजूद कुछ सफेदपोश नेताओं की जेब गरम करने के बाद भी तबादला निरस्त करवाने की जुगत में लगा हुआ है। इसीलिए तबादला होने के एक माह बाद भी चार्ज नहीं छोड़ा। क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक किसानों ने रजिस्ट्री के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फैक्स के जरिए किसानों के साथ धान, गेहूं की खरीद में व्यापक पैमाने में धांधली व पात्र गृहस्थी के लाभार्थियों को कोटेदारों के माध्यम से सड़ा गेहूं वितरण व तबादला होने के बावजूद सेंटर से न जाने के संबंध में शिकायती पत्र भेजा है।

गाजीपुर-विजयीपुर मार्ग का जल्द होगा कायाकल्प

क्षेत्रवासियों ने सीएम योगी व क्षेत्रीय विधायक विकास गुप्ता का जताया आभार

फतेहपुर। जनपद की नासूर बनी गाजीपुर-विजयीपुर सड़क जो कि डिजिटल इंडिया व विकसित भारत जैसे बड़े बड़े शब्दो पर थप्पड़ मारती प्रतीत होती थी। जनपद की एक तिहाई आबादी व यमुना तिरहार की इस जीवन रेखा का दशको से उपेक्षित होना सरकारो की बदनीयती को उजागर करती थी। निषाद बाहुल्य इस यमुना पट्टी के क्षेत्र मे सजातीय सांसद का निर्वाचित होना भी लोगो के जख्म पर सड़क निर्माण रूपी मरहम लगाने मे नाकामयाब रहा। सड़क मामले मे चर्चा करने पर रामराज्य वाली सरकार के प्रतिनिधि भी चुप्पी साधते नजर आते थे। तभी क्षेत्र के तेजतर्रार युवा विधायक की सख्त पैरवी ने सम्बन्धित मार्ग निर्माण का धन अवमुक्त करवाना क्षेत्र मे लोगो की आंखो मे विकास की आस की चमक जगा गया। ये खुशी अभी कम ना हुयी थी कि शासन द्वारा जनपद के तीसरे राज्य मार्ग मे इस सड़क को शामिल करना क्षेत्रवासियो को दोहरी खुशी का अवसर दे गया। जनपद मुख्यालय के नउबाबाग जीटी रोड से प्रारम्भ होकर वाया बहुआ, गाजीपुर, असोथर से विजयीपुर, धाता होकर हिनौता, राजापुर, चित्रकूट जाने वाले इस राजमार्ग के बनने से ना सिर्फक्षेत्र मे आवागमन सुगम होगा बल्कि विकास के कई अवसर प्राप्त होंगे। सरकार की इस सौगात के लिए क्षेत्रवासियों ने विधायक व योगी सरकार कर शुक्रिया अदा किया है।

गुलाबी गैंग लोकतान्त्रिक ने निकाली कलश यात्रा

महिलाओं में जगाई आत्मनिर्भरता की अलख

फतेहपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में गुलाबी गैंग लोकतान्त्रिक ने एक और कदम आगे बढ़ाया है। महिलाएं आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर बन सके इसके लिए गुलाबी गैंग लोकतान्त्रिक ने बहुआ ब्लाक के ग्राम सुजानपुर में नारी शक्ति महिला प्रेरणा ग्राम संगठन की स्थापना की है जिसके उपसमूहों में गुलाबी स्वयं सहायता समूह, गुलाबी महिला उत्थान स्वयं सहायता समूह, गुलाबी रंग स्वयं सहायता समूह, पायल स्वयं सहायता समूह, रामा आजीविका स्वयं सहायता समूह सम्मिलित हैं। इन उपसमूहों में प्रत्येक में दस,-दस महिलाओं के साथ कुल 50 से अधिक महिलाएं सदस्य रूप में सम्मिलित हैं।

गुलाबी गैंग लोकतांत्रिक की अध्यक्ष हेमलता पटेल ने बताया कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने हेतुयह कदम उठाया है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं अपनी छोटी-छोटी आर्थिक बचत करके स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करके आर्थिक रूप से मजबूत होकर अपने परिवार को प्रगति की ओर अग्रसर कर सकेंगी। जागरूकता हेतु ग्राम में कलश यात्रा निकाल कर महिलाओं को जागरूक व प्रेरित करने का प्रयास किया गया है। यह पहल ग्राम सुजानपुर से प्रारम्भ की है व इसके साथ की संगठन का यह प्रयास रहेगा की अन्य गावों में भी इसे प्रसारित किया जा सके। इस दौरान गुलाबी गैंग लोकतान्त्रिक अध्यक्ष व नारी शक्ति महिला प्रेरणा ग्राम संगठन की संरक्षक हेमलता पटेल के साथ सीनियर सी.आर.पी रेनू, संगीता, ग्राम संगठन की अध्यक्ष रेखा रानी, उपाध्यक्ष वीरमती, कोषाध्यक्ष ममता, सचिव महिमा देवी, सदस्य प्रीती, सुमन, लक्ष्मी, सोनल, संयोगिता, नीलिमा, सुधा, सरला, केशकली, रजनी, जानकी, द्रोपदी आदि महिलाएं सम्मिलित रहीं।

युवती समेत दो ने किया जान देने का प्रयास

फतेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रो के अन्तर्गत बीते 24 घण्टो के अन्तराल में युवती समेत दो लोगो ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया जिन्हे उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहा एक की हालत चिन्ताजनक देखते हुये कानपुर के लिये रिफर कर दिया। जानकारी के अनुसार खागा कोतवाली क्षेत्र के रामसगरा गांव निवासी राजेश की 20 वर्षीय पत्नी स्नो देवी का कल शाम अपने पति से किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गयी जिस पर उसने जहर खा लिया इसी प्रकार बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के डीघ जहानपुर गांव निवासी दुर्गाप्रसाद का 45 वर्षीय पुत्र रामकेश ने आज सुबह घरेलू कलह के चलते जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। कुछ समय बाद जब दोनो की हालत बिगडने लगी तो परिजनो ने आनन-फानन उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहा इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक ने रामकेश की हालत चिन्ताजनक देखते हुये कानपुर मेडिकल कालेज के लिये रिफर कर दिया।

गांव में गंदगी होने से बीमारी बढ़ने के आसार

जहानाबाद, फतेहपुर। .इस समय देश वैसे भी करोना की संकट के दौर से गुजर रहा है और सरकार ने सख्त निर्देश दे रखे हैं कि करोना कि संकट की घड़ी में हर जगह साफ सफाई होना चाहिए तथा नगरों, शहरों व गांवों में साफ सफाई के साथ-साथ समय-समय पर सैनिटाइजर होना चाहिए जिससे कोई भी बीमारी न फैल सके, लेकिन सरकार के निर्देशों का खुला उल्लंघन हो रहा है। कई-कई महीने बीत जाते हैं। गांव में सफाई नहीं हो पाती है तथा गांव की नालियां इस बरसात में चोक हो जाती हैं जिससे पानी एकत्रित हो जाता है और बीमारी के कीटाणु उस एकत्रित पानी में धीरे धीरे पैदा होने लगते हैं जो बीमारी का रूप धारण कर लेते हैं जिससे गांव में इस समय हर जगह बीमारी फैल रही है।

ताजा मामला थाना क्षेत्र के ग्राम पनेरुवा का है। जहां पर करीब 02 महीने से गांव में सफाई नहीं हुई है जिससे वायरस फैलने का खतरा ज्यादा है और थाना क्षेत्र के दर्जनों गांव में इस समय बीमारी ज्यादा ही चल रही है। जहां साफ सफाई एवं समय-समय पर एंटी लारवा का छिड़काव होना जरूरी है, लेकिन गांव के जिम्मेदार नागरिक इस विषय पर ध्यान नहीं दे पाते हैं और पनेरुआ गांव मैं बरसात के इस मौसम में जगह जगह पर कीचड़ व जलभराव है जो सफाई कर्मचारी के न आने से गंदगी भरी पड़ी है। गांव के प्रधान भी इस गंदगी को देखकर नहीं साफ करवा रहे हैं जिससे संक्रमण बीमारी फैलने का अंदेशा गांव में ज्यादा है गांव वालों ने बताया कि सफाई कर्मचारी के ना आने से खरंजा के ऊपर पानी निकलता है क्योंकि ना लिया है में कीचड़ ज्यादा होने से नालियां चोक हो गई हैं किस कारण बरसात का पानी खरंजा से निकलता है जो काफी मात्रा में गंदगी फैल जाती है और बीमारी होने की आशंका इस समय ज्यादा ही देखने को मिल रही है!

भाकियू राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का ऐलान

दो सितंबर को राधानगर चौकी के पास होगी महापंचायतःराजेश

फतेहपुर। कस्बा जोनिहा व शाहबाजपुर में बनी सहकारी समितियां सालों से पड़ी हुई है बंद। जिसके चलते किसानों को खाद बीज के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। किसान बाजारों से महंगे दामों पर खाद खरीद कर अपने खेतों पर डाल रहे हैं यह भी गारंटी नहीं होती कि मिलने वाली खाद बाजारों वाली सही होगी। मरता क्या न करता किसान मजबूरी में उस खाद को खरीद कर अपने खेतों पर डाल रहे हैं सरकारें आती-जाती रहती हैं। इससे पहले समाजवादी पार्टी की सरकार थी उससे भी पहले बीएसपी की सरकार थी अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भारतीय किसान यूनियन ने निर्णय लिया है कि आगामी 02 सितंबर को राधा नगर चौकी के पास बड़ी पंचायत लगाई जाएगी। महापंचायत के दौरान बंद पड़ी समितियों को चालू कराने के विषय में भी बात करूंगा। ऐसे तमाम परिवार आज भुखमरी की कगार पर है जो इन समितियों पर काम करते थे उनका वेतन नहीं मिला समितियां बंद पड़ी हैं जिसके चलते उन परिजनों के सामने भी घोर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। उनकी भी लड़ाई लड़ी जाएगी। यह मुद्दा मुख्यमंत्री तक ले जाऊंगा। आखिर जिन लोगों ने समितियों में काम किया है उनका वेतन क्यों नहीं दिया गया है। आगामी 02 सितंबर को यह मुख्य मुद्दा भी पंचायत में रखा जाएगा। उक्त बातें भाकियू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंह चौहान ने बातचीत के दौरान कहीं।

ट्रैक्टर की टक्कर से विक्रम सवार दो बहनों की मौत

फतेहपुर। हथगांव थाना क्षेत्र के अधारी का पुरवा गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने विक्रम में टक्कर मार दिया। जिससे विक्रम में सवार एक मासूम सहित दो की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर समेत चालक को हिरासत में ले लिया। वहीं शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए विच्छेदन गृह भेज दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के इदरीशपुर गांव के रहने वाले सुरेन्द्र कुमार की बेटी अंशू रक्षाबंधन में मायके आयी थी। उसकी एक साल की मासूम बच्ची प्रियांशी की अचानक तबियत खराब हो गई। बच्ची का इलाज कराने के लिए वह अपनी 20 वर्षीय बहन पूजा देवी की बड़ी बेटी 3 साल की परी व प्रियांशी को लेकर विक्रम से हथगाम सीएचसी आ रही थीं। इस बीच जलालपुर मोड़ के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने विक्रम में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे प्रियांशी व पूजा की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि अंशू व परी मामूली रूप से जख्मी हो गये। प्रभारी निरीक्षक हथगाम आदित्य सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस तत्काल घटना स्थल पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर विच्छेदन के लिए भेज दिया। इसके साथ ही ट्रैक्टर चालक समेत दोनों वाहनों को थाना में लाकर खड़ा कर लिया है।

घरेलू कलह के चलते युवक ने खाया जहरीला पदार्थ

बिन्दकी, फतेहपुर। घरेलू कलह के चलते युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया युवक की हालत बिगड़ी तो परिजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य में भर्ती कराया चिकित्सकों ने हालत चिंताजनक देखते हुए प्राथमिक उपचार जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के जहान पुर गांव निवासी राम केस उम्र 45 वर्ष ने गरीबों को लेकर चलते जहरीला पदार्थ खा लिया युवक की हालत बिगड़ी तो उसने जहर खाने की बात परिजनों को बताई इस पर परिजनों में हड़कंप मच गया।

बहरौली गांव में नहीं थम रही संक्रामक बीमारी, 13 लोग सीएचसी में भर्ती

संक्रामक बीमारी के चलते गांव में हो चुकी आधा दर्जन लोगों की मौत

बिन्दकी, फतेहपुर। गांव में संक्रामक बीमारी थमने का नाम नहीं ले रही लगातार मरीज बढ़ते जा रहे हैं इसी के चलते बुधवार को 13 मरीज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराए गए करीब आधा दर्जन लोगों की अब तक मौत हो चुकी है गांव में अभी भी दहशत का माहौल बना हुआ है। मलवां ब्लाक क्षेत्र के बहरौली गांव में वायरल और संक्रामक बीमारी कम होने का नाम नहीं ले रही है अभी भी लगातार मरीज बढ़ते जा रहे हैं बुधवार को गांव के रामपाल साहू उम्र 50 वर्ष विजय साहू उम्र 17 वर्ष मन्ना उम्र 51 वर्ष अंकित सिंह परिहार 25 वर्ष उर्मिला देवी 45 वर्ष सीताराम उम्र 22 वर्ष गुड़िया देवी उम्र 30 वर्ष विनीता पाल उम्र 26 वर्ष अनुसूया देवी उम्र 65 वर्ष सनी सिंह उम्र 19 वर्ष अंकित सिंह परिहार उम्र 25 वर्ष राहुल यादव 25 वर्ष अरुणा देवी 50 वर्ष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया अभी भी तमाम मरीज गांव में पढ़े हुए हैं वहीं कई मरीजों को सरकारी तथा गैर सरकारी अस्पताल कानपुर में भी भर्ती कराया गया है वायरल फीवर और संक्रामक बीमारी के चलते गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है बहरौली गांव निवासी पवन तिवारी ने बताया कि अभी भी वायरल फीवर संक्रामक बीमारी बढ़ती जा रही है लोग परेशान हैं उन्होंने कहा कि गांव में स्वास्थ्य विभाग का एक बड़ा कैंप 24 घंटे और करीब 1 सप्ताह तक लगातार लगना चाहिए जिससे निश्चित रूप से वायरल फीवर और संक्रामक बीमारी में रोकथाम लग सकती है।

लोहिया पार्क का टिकट जनेश्वर पार्क में बेच रहा एलडीए

❑ सुबह शाम टहलने वालो से अबैध बसूली कर रहा एलडीए ❑ जबकि दिन बंद रहता है जनेश्वर मिश्र पार्क, कोरोना शुरू होते ही पार्क हुवे थे बंद तबसे नही है कोई ठेका

कोरोना जैसे आपातकाल में जहाँ एक तरफ सभी पार्क बंद है सिर्फ शाम सुबह स्थानीय लोगो के टहलने के लिए खोले जा रहे है इससे पहले लॉक डाउन में पार्क पूरी तरह बंद कर दिए गए थे, लॉक डाउन खुलने के बाद सिर्फ सुबह शाम आस पास के लोगो के लिए जो कोरोना काल मे व्यायाम या साइकिलिंग के साथ साथ सुबह शाम टहल कर अपनी इम्युनिटी बढ़ाये इसके लिए खोला जा रहा है, लेकिन एलडीए के उद्यान विभाग ने इसमे भी आम जनता से धनउगाही शुरू कर दी है। गोमती नगर विस्तार महासमिति के सचिव उमाशंकर दुबे ने बताया कि कोरोना काल मे जब पार्क बंद हुवा उसके बाद ठेकेदार ने अपना काम काज बंद कर दिया एवं अब कोई ठेकेदार टेंडर लेने को तैयार नही है क्योकि पार्क में न तो इन हालत में दिन में कोई जाता है और न ही पार्क खुल रहे है। एलडीए ने सिर्फ सुबह शाम स्थानीय लोगो के लिए पार्क खोले है जिनका सामान्य समय में भी कोई चार्ज नही लिया जाता था लेकिन अब एलडीए का उद्यान विभाग सुबह शाम टहलने वालो से टिकट लगाकर अबैध वशूली शुरू कर दिया है । उमाशंकर दुबे ने बताया कि जनेश्वर मिश्र पार्क में एलडीए उद्यान विभाग अपना आदमी लगाकर लोहिया पार्क के टिकट पर वशूली कर रहा है। वर्तमान परिस्थिति में आज के समय मे जनेश्वर मिश्र पार्क का कोई ठेका नही है और न ही दिन में पार्क खोले जा रहे है, ऐसे में शाम सुबह टहलने वाले लोगो से कैसे वशूली की जा रही है यह जांच का विषय है। उमाशंकर दुबे ने बताया कि गोमती नगर विस्तार महासमिति ने पूरे मामले की जांच और कार्यवाही के लिए एलडीए वीसी को पत्र लिखा है।

गांधीजी के चश्मे की अब भारत को क्या जरूरत!

प्रसिद्ध नीलामी एजेंसी ईस्ट ब्रिस्टल ऑक्शन्स ने महात्मा गांधी का चश्मा 2.55 करोड़ रुपये में नीलाम किया है। एजेंसी के मालिकों का कहना है कि 3 अगस्त को सुनहरे फ्रेम का यह चश्मा उन्हें एक सादे लिफाफे में डालकर किसी व्यक्ति ने रख छोड़ा था। संभवतरू यह उस वक्त का चश्मा है जब बापू दक्षिण अफ्रीका में काम कर रहे थे। अनुमानतरू 1910 से 1930 के बीच उन्होंने इसका इस्तेमाल किया होगा। गोलाकार कांच वाला और लम्बी कमानी का यह चश्मा गांधीजी की पहचान बन चुका था। निश्चित रूप से अपने जीवन काल में उन्होंने दो-चार बार तो चश्मे बदले ही होंगे, कुछ पुराने हो जाने के कारण अथवा किसी और कारण से। जिस व्यक्ति ने इसे छोड़ा था उनका कहना था कि यह उनके चाचाजी द्वारा इस्तेमाल किया गया था। ऑक्शन्स के मालिक एन्ड्रयू स्टो के अनुसार यह चश्मा 50 वर्षों से उनकी अलमारी में पड़ा हुआ था और वे इसे फेंकना चाहते थे क्योंकि इससे उन्हें कोई विशेष लाभ नहीं था। जो बुजुर्ग व्यक्ति इसे लेकर आये थे उन्हें दिल का दौरा भी पड़ चुका है और वे मुश्किल भरे दौर में गुजर रहे हैं। उम्मीद है कि इस राशि से उनकी जिंदगी बदल सकती है। चश्मे के मालिक ने यह भी बताया कि 1920 के दशक में उनके परिवार के किसी सदस्य ने दक्षिण अफ्रीका में रहने के दौरान गांधीजी से मुलाकात भी की थी। संभवतः उन्हीं से यह चश्मा अगली पीढ़ी तक पहुंचा है। एन्ड्रयू स्टो यह भी बताते हैं कि उन्होंने रिसर्च कर पाया कि यह गांधी का ही चश्मा था और शायद पहला भी। नीलाम करने वाली कंपनी ब्रिस्टल की है यानी ब्रिटिश। मालिक को गांधी और भारत के संबंधों को न जानने का सवाल ही नहीं उठता। जो खरीदार कलेक्टर हैं वे कोई अमेरिकी हैं। चश्मे के इस खरीद-फरोख्त में दुर्भाग्य से भारत कहीं भी नहीं है। न चश्मे के मालिक ने और न ही नीलामकर्ता ने भारत सरकार से पूछने की आवश्यकता समझी और न ही भारत सरकार की इसमें कोई रूचि है। इसमें भी शक है कि अगर उसे पता चलता तो भी वह इसे हासिल करने की कोशिश करती अथवा अब पाने का कोई प्रयास करे।

गांधीजी के अनेक प्रतीक चिन्ह भारत ही नहीं, विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। इनमें चरखा, उनकी लाठी और यह चश्मा सर्वोपरि है। जो चश्मा नीलाम हुआ है वह उनकी समृद्धि के दौर का रहा होगा जब बापू एक सफल वकील के रूप में पैसे कमाते रहे होंगे। जब उन्होंने सादगी को अपना लिया तो संभवतरू सुनहरी कमान वाला चश्मा उन्होंने त्यागकर कोई सस्ता वाला अपना लिया होगा। वैसे तो उनकी तस्वीरों के साथ उनके ये प्रतीक चिन्ह हमेशा चलते आए हैं, लेकिन उनके चश्मे ने बड़ी दमदार वापसी 2014 में की थी जब गांधी के विरोध वाली विचारधारा में विश्वास रखने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान को शासकीय स्तर पर देश भर में लागू किया था। इस अभियान का प्रतीक चिन्ह भी गांधी का चश्मा ही है जिसके एक लेंस पर स्वच्छ और दूसरे पर भारत

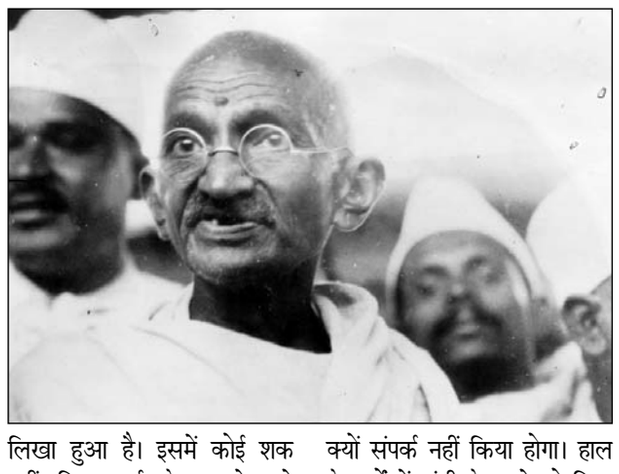

लिखा हुआ है। इसमें कोई शक नहीं कि सफाई के सबसे बड़े आइकॉन पुरुष गांधी ही रहे हैं। गांधीजी के चश्मे को अपनाने से यह आशा बंधी थी कि गांधी के विचारों और आदर्शों को भी अपनाया जाएगा। जैसे-जैसे मोदी सरकार की गांधीवादी मूल्यों के प्रति अनास्था का प्रकटीकरण होता गया और देश में स्वच्छ भारत अभियान की कलई खुलती गई, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं रह गई है कि ब्रिस्टल के उक्त नीलामकर्ता ने गांधी का चश्मा बेचने के लिए भारत सरकार से क्यों संपर्क नहीं किया होगा। हाल के वर्षों में गांधी के रास्ते को जिस तेजी से न सिर्फ तजने का काम बल्कि उन्हें अपमानित करने का जो अभियान देश में लागू किया गया है, वह शायद पूरे विश्व को ज्ञात होने लगा है। अप्रैल, 2015 में टीपू सुल्तान की तलवार और कवच लंदन में 56 करोड़ रुपये में नीलाम हुए थे। अकेले उनकी तलवार 14 करोड़ रुपये में बिकी थी। टीपू सुल्तान से तो इस सरकार का विरोध सर्वज्ञात है अतरू उसे भारत सरकार द्वारा खरीदने में कोई दिलचस्पी न रखना भी समझा जा सकता है। गांधी की ये वस्तुएं अब भी भारत के लिए प्रेरणा की प्रतीक हैं। संभवतः इसी स्थिति के कारण हिंदी के प्रसिद्ध कवि सरल सम्पत ने कहा है कि श्चश्मे के जिस कांच पर स्वच्छ लिखा है, वहां भारत नहीं है और जिस पर भारत लिखा है वह स्वच्छ नहीं है।

गांधी तो समदर्शी थे लेकिन वर्तमान सरकार स्वच्छ और भारत के बीच दूरी को और बढ़ा रही है, जिससे इस चश्मे का काम शायद भारत के लिए खत्म हो चुका है। गांधीजी का चश्मा जो भारत में होना चाहिए था, वह ऐसी जगह अच्छी कीमत पर नीलाम हो रहा है जिनके खिलाफलड़कर गांधी ने हमें आजादी दिलाई थी और ऐसे संग्राहक द्वारा खरीदा गया है जो उस देश में रहता है जहां गांधी कभी नहीं गये तथा वहां की संस्कृति की उन्होंने आजीवन मुखालफ़त की थी। भारत में अब सुनहरे अक्षरों से उनके लिखे नाम वाला नरेन्द्र मोदी का सूट, अमिताभ बच्चन की फिल्मों के पोशाकें, विराट कोहली का बल्ला और माही के दास्ताने अच्छी कीमत पर नीलाम होते हैं, तो उस पुराने फैशन के चश्मे को भला कौन पूछे! गांधीजी के चश्मे की उपेक्षा दरअसल उनके दर्शन और दृष्टिकोण की तिलांजलि है। एक ओर मोदी विदेशों में जाकर न केवल गांधी के देश का प्रतिनिधित्व करते हैं बल्कि यह भी आग्रह करते हैं कि दुनिया के बच्चे-बच्चे की जुबान पर गांधी का नाम होना चाहिए। यह तो सच है कि गांधी को मानने के लिए आपको न गांधी जैसा रहने की जरूरत है और न ही जिस प्रकार की वस्तुओं का वे इस्तेमाल करते थे उनकी नकल करने की जरूरत है। सादगी गांधी की स्वयं की अपनायी हुई जीवन पद्धति थी जिसे सबके द्वारा और खासकर आज के समय में अनुसरण करना लगभग असंभव हैय परंतु यह तो गांधी का बाहरी आवरण है। गांधी आपके भीतर खिलते हैं, नैतिकता और विवेक उनका आंतरिक सौंदर्य है जो किसी भी व्यक्ति में प्रस्फुटित हो सकता है। कुछ समय पूर्व एक सर्वे में अब भी गांधी विश्व के महानायकों की सूची में सर्वोच्च स्थान पर पाये जाते हैं और दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा कहते हैं कि श्अगर उन्हें किसी एक व्यक्ति के साथ भोजन करने का विकल्प दिया जाता है तो वे महात्मा गांधी को चुनेंगे। अगर गांधी को हम इस स्थान पर बिठाये रखना चाहते हैं तो गांधी के ये प्रतीक चिन्ह हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। खासकर, गांधी दर्शन को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए उनके द्वारा इस्तेमाल की गई ये छोटी-छोटी वस्तुएं उन्हें आकर्षित करने में मददगार होंगी। यही हमारा वर्तमान निजाम नहीं चाहता इसलिए उसका आग्रह लंदन से महारानी के मुकुट में लगा कोहिनूर या वहां संग्रहालय में रखा हुआ महाराज रणजीत सिंह का स्वर्ण सिंहासन प्राप्त करने में तो है, परंतु गांधी के चश्मे में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। उल्टे, आज की राजनीति तो चाहती ही है कि पहचान बन चुकी गांधी की प्रतीक वस्तुएं, चिन्ह आदि मिट ही जाएं।

सम्पादकीय

प्रदूषण-मुक्ति में उपयोगी है डीजल से पेट्रोल की बराबरी

जीवाश्म ईंधन, जैसे पेट्रोल, डीजल, कोयला एवं लकड़ी आदि के दहन एवं जलने से महीन कण (पीएम यानि प्रति दस लाख 10 एवं 2.5) नाइट्रोजन-आक्साइड, सल्फर डाय-आक्साइड एवं कार्बन मोनो तथा डाय-आक्साइड उत्सर्जित होकर वायु मंडल में पहुंचकर प्रदूषण पैदा करते हैं। एक डीजल-चलित कार पेट्रोल कार की तुलना में सात गुना ज्यादा प्रदूषण फैलाती है। डीजल से पैदा धुंए में महीन कण 90 गुना अधिक होते हैं और नाइट्रोजन आक्साइड 30 गुना। इसके साथ ही कार्बन डाय-ऑक्साइड, बेंजीन एवं फार्मल-डीहाइड की मात्र भी अधिक होती है। विश्व के अलग-अलग देशों में समय-समय पर किये गये अध्ययन दर्शाते हैं कि डीजल का धुंआ पर्यावरण एवं जन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एचओ) से सम्बंधित इंटरनेशनल एजेंसी फार रिसर्च आन कैंसर के वर्ष 2012 के अध्ययन में डीजल से पैदा धुंए को मानव में कैंसर-कारक पदार्थ की सूची में रखा गया था। इसके पहले इसे सम्भावित श्रेणी में रखा गया था। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर आक्युपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थश् ने डीजल के धुंए को व्यवसाय-जनित कैंसर का सम्भावित कारण बताया है। डीजल के धुंए से कैंसर का खतरा बढ़ने की सम्भावना को अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने भी स्वीकार किया है। एक तीव्र कैंसर अन्य पदार्थ (3 नाइट्रोबेजेन झोन) की उपस्थिति जापान के वैज्ञानिकों ने डीजल के धुंए में देखी है। हमारे देश में लम्बे समय तक डीजल पेट्रोल से सस्ता रहा है क्योंकि सरकार इस पर ज्यादा सब्सीडी देती रही है। इसे सस्ता बनाये रखने के दो प्रमुख कारण थे। एक तो यह कि कृषि-प्रधान देश होने से यह किसानों को खेती के कार्यों में सहायक हो एवं उन पर ज्यादा आर्थिक बोझ नहीं पड़े। दूसरा यह कि व्यावसायिक वाहनों में इसके उपयोग से माल ढुलाई एवं जनता के लिए परिवहन सस्ता बना रहे। इन दो कारणों से इसकी उपलब्धता सभी जगह आसान बनाई गई। डीजल के कम दाम एवं सर्वत्र उपलब्धता पर वाहन निर्माता कम्पनियों ने ध्यान दिया एवं डीजल चलित वाहनों के मॉडल बनाकर उन्हें बाजार में उतार दिये। कार निर्माताओं ने इसका ज्यादा फायदा उठाया एवं डीजल कार के कई मॉडल बनाकर बिक्री हेतु बाजार में खड़े कर दिए। वर्ष 2010 के आसपास डीजल कारों की बिक्री 50 प्रतिशत के लगभग हो गई। वर्ष 2013 के प्रथम छः माह में नई कारों को बिक्री में 56 प्रतिशत भागीदारी डीजल कारों की हो गई थी। आज देशभर में होने वाली कुल डीजल की खपत का 15 प्रतिशत निजी कारों में हो रहा है। सार्वजनिक यातायात सुलभ बनाने हेतु डीजल बसों की संख्या भी शहरों में बढ़ी। शिक्षण संस्थाओं ने भी अपने विद्यार्थियों के आवागमन हेतु डीजल वाहनों को प्राथमिकता दी। नेट वर्क चलाने के लिए देश की टेलिकॉम कम्पनियों ने भी बिजली की कमी या कटौती के समय डीजल जनरेटर का उपयोग किया। ये कम्पनियां वर्ष भर में लगभग दो हजार करोड़ लीटर डीजल का उपयोग करती हैं। शहरों के बड़े-बड़े बाजारों एवं शो-रूम में भी बिजली कटौती के समय डीजल जनरेटर चलाये जा रहे हैं। इस प्रकार सस्ते डीजल का उपयोग बढ़ने से वातावरण में विषाक्तता बढ़ने लगी एवं जन-स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव होने लगा। सिरदर्द, चक्कर आना, सीने एवं आंखों में जलन आदि डीजल धुंए के प्रारम्भिक प्रभाव देखे गये हैं। लम्बे समय तक सम्पर्क में रहने से जो प्रभाव देखे गये हैं उनमें प्रमुख हैं - कम वजन वाले शिशुओं का जन्म, शिशु मृत्युदर में अधिकता, समय-पूर्व प्रसव, कुछ जन्मजात विकृतियां, फेफड़े के रोग एवं कैंसर। डीजल धुंए से पैदा खतरों के मद्देनजर अब दुनिया भर में इसके नियंत्रण के प्रयास जारी हैं। इटली की राजधानी रोम में वहां की सिटी कौंसिल के निर्णयानुसार प्रातरू 7.30 से रात्रि 8.30 तक डीजल कारों पर रोक लगाई गई है। जर्मनी के कई शहरों में भी अलग-अलग समय के लिए डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाया गया है। चीन तो वर्ष 2025 तक डीजल कारों के निर्माण पर रोक लगाने हेतु प्रयासरत है। डीजल वाहनों की संख्या निश्चित करना, ज्यादा रोड-टैक्स एवं पार्किंग शुल्क, प्रदूषण कर एवं उत्पादन-कर बढ़ाना आदि ऐसे प्रयास हैं जो कई देशों में किये जा रहे हैं। हमारे देश में भी डीजल-कारों पर अतिरिक्त उत्पादन शुल्क लगाने का प्रयास वर्ष 2012 के बजट में प्रस्तावित था, परंतु यह क्रियान्वित नहीं हो पाया। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को ध्यान में रखकर 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने भी निजी डीजल कारों पर 30 प्रतिशत पर्यावरण-कर लगाने का सुझाव दिया था। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली तथा देश के 15 प्रमुख शहरों से 10 वर्ष पुराने डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया था, फिर भी डीजल धुएं के खतरनाक प्रभावों को कम करने के प्रयास सफल नहीं हो पाये। वर्तमान में कई शहरों में मेट्रो रेल का संचालन सीएनजी (कॉम्पेक्ट नेचुरल गैस) तथा विद्युत चलित वाहनों की संख्या बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

कांग्रेस में नेतृत्व का संकट

कांग्रेस के अंदर अभी जो भी झगड़े हैं और नेतृत्व को लेकर जो सवाल खड़े हो रहे हैं, वह एक लंबी लड़ाई का रूप धारण करनेवाले हैं. कांग्रेस के इतिहास में भी इस तरह के अंतर्कलह कई बार सामने आये हैं. वर्तमान प्रकरण उसी इतिहास में एक नये अध्याय की तरह जुड़ जायेगा. साल 1968-69 में इंदिरा गांधी की सरकार जब सत्ता में थी, तब भी कुछ वरिष्ठ नेताओं ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाये थे. राजीव गांधी के नेतृत्व में भी पार्टी में बगावत के सुर उभरे थे. हालांकि, वर्तमान विद्रोह पहले के मामलों से काफी अलग है. पार्टी में पहले विद्रोह तभी हुआ था, जब पार्टी सत्ता में थी और अधिकांश मामलों में गांधी परिवार को जीत हासिल हुई थी. वर्तमान में जो उठापटक मची हुई है, वह राजनीतिक रूप से वाकई दयनीय है. पार्टी में नेतृत्व को लेकर उठ रहे सवालों का कोई आसान समाधान नहीं दिख रहा है. हमारे देश की राजनीति पहले से कहीं ज्यादा अब एक व्यक्ति विशेष के इर्द-गिर्द घूमती है. साल 1952 के चुनाव में कांग्रेस का नारा था, 'वोट फॉर नेहरू, वोट फॉर कांग्रेस'. कांग्रेस के नाम पर वोट मांगे जा रहे थे कि कांग्रेस को वोट दीजिए, तो नेहरू जी की स्थिति अच्छी होगी. इसके बाद इंदिरा गांधी तथा नरेंद्र मोदी के काल में भी राजनीति हमेशा से एक व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द घूमती रही है. उस संदर्भ में देखा जाए, तो कांग्रेस का नेतृत्व हमेशा से नेहरू-गांधी परिवार के हाथों में रहा है. मनमोहन सिंह के काल में भी राजनीतिक नेतृत्व सोनिया गांधी के हाथों में ही था. गैर नेहरू-गांधी परिवार के व्यक्ति को कांग्रेस अध्यक्ष बनाये जाने की जो बात उठती है, उसमें भी प्रश्न यह उठता है कि जो अध्यक्ष बनेगा, तो क्या वह राहुल गांधी और सोनिया गांधी से निर्देश लेगा अथवा अपने राजनीतिक विवेक से पार्टी के फैसले लेगा. अगर वह गांधी परिवार के निर्देशों पर ही काम करेगा, तो ऐसे व्यक्ति को अध्यक्ष बनाने से भी कोई फायदा नहीं होगा. जब सीताराम केसरी पार्टी के अध्यक्ष थे, तब तक सोनिया गांधी सक्रिय राजनीति में आ चुकी थीं. उस दौर में ऑस्कर फर्नांडिस जैसे बड़े नेता फाइलें लेकर केसरी जी के घर आते थे और सिर्फ उनसे हस्ताक्षर करवा कर चले जाते थे. साल 1992 के चुनाव में केसरी जी चुनाव प्रचार तो दूर, वे अपने घर से भी बाहर नहीं निकले. ऐसे अध्यक्ष का भी कोई फायदा नहीं है. अभी जो मामला सामने आया है, उसमें पत्र लिखने वालों में तीन तरह के लोग हैं. पहले, जिन्हें सचमुच कांग्रेस के भविष्य की चिंता है. दूसरे वे हैं, जो यह चाहते हैं कि राहुल गांधी पार्टी अध्यक्ष न बनें, क्योंकि उनके अध्यक्ष बनने से इन नेताओं की जो पार्टी में अभी पकड़ एवं पद हैं, वे समाप्त हो जायेंगे. तीसरा समूह वह है, जो कांग्रेस को कमजोर करना चाहता है. साल 2014 के चुनाव के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया, भुवनेश्वर कलिता जैसे कई महत्वपूर्ण नेता पार्टी छोड़ कर चले गये हैं. इनमें से अधिकतर भाजपा में शामिल हुए हैं. ऐसी परिस्थिति में कांग्रेस को भी बहुत सतर्क रहना पड़ता है कि कहीं पत्र लिखने के पीछे कोई राजनीतिक एजेंडा तो नहीं है अथवा यह मात्र एक नेक नीयत से की गयी कोशिश है।

प्रथमदृष्टया तो यही नजर आ रहा है कि अभी कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं है. भाजपा में अटल-आडवाणी की जोड़ी ने ढाई दशक तक भाजपा का नेतृत्व किया, लेकिन नरेंद्र मोदी के उदय के साथ ही आडवाणी का पतन शुरू हो गया, लेकिन कांग्रेस के पास फिलहाल ऐसा कोई विकल्प नहीं है. कार्यकर्ता अब भी गांधी परिवार के प्रति एक ऋषी की तरह देखते हैं और उन्हें प्रियंका गांधी में नया नेतृत्व भी दिखायी पड़ता है. पार्टी इसी दुविधा में है. जैसे ही पार्टी को एक बेहतर विकल्प मिल जायेगा, फिर वही हश्र होगा, जो नरसिम्हा राव और सीताराम केसरी का हुआ था. पहले धर्म राजनीति का केंद्र नहीं हुआ करता था, लेकिन भाजपा ने धर्म और आस्था को राजनीति में लाकर खड़ा कर दिया है. ऐसे में कांग्रेस पार्टी, जो धर्मनिरपेक्षता के एजेंडे के साथ आगे बढ़ती रही है, उसके सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है. प्रकृति का नियम है, जब कोई चीज टूटती है, तभी एक नयी चीज का निर्माण होता है. इंदिरा गांधी के नेतृत्वकाल में भी कई नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़ दिया था, लेकिन तब भी कांग्रेस ने खुद को नये स्वरूप में संगठित करके एक मजबूत पार्टी के रूप में खड़ा किया था. भारत में अभी जो गैर-भाजपा दल हैं, वे कांग्रेस को अपना प्रतिनिधि मानते हैं. बहुत से ऐसे नेता रहे हैं, जिन्होंने कांग्रेस से अलग होकर अपनी नयी पार्टी बनायी है और राज्य स्तर पर ही सही, लेकिन अपने आपको मजबूती से खड़ा करने में कामयाब रहे हैं जैसे- शरद पवार और जगनमोहन रेड्डी. अभी जिन 23 लोगों ने कांग्रेस आलाकमान को पत्र लिख कर भेजा है, ऐसा हो सकता है कि वे भी पार्टी से अलग होकर एक नयी पार्टी का गठन करें और कांग्रेस से पहले ही छिटक कर अलग हो चुकी पार्टियों के साथ गठबंधन करें और खुद को असली कांग्रेस के रूप में जनता के सामने पेश कर दें. ऐसी भी संभावना है कि इस मामले में कोई कानूनी चुनौती भी पेश की जा सकती है. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कांग्रेस पार्टी अभी एक बड़े अंतर्द्वंद्व से गुजर रही है. उसके सामने समस्या है कि वह पहले अपने घर को ठीक करे अथवा जो प्रश्न मीडिया एवं बुद्धिजीवी वर्ग उठा रहे हैं, उनका हल ढूंढे. मीडिया एवं बुद्धिजीवी वर्ग, जो लगातार नेहरू-गांधी परिवार से इतर पार्टी नेतृत्व की मांग कर रहे हैं और ऐसी कल्पना कर रहे हैं कि ऐसा होने से पार्टी का कल्याण हो जायेगा, यह तथ्यों से परे बात है।

कोरोना में फंसी खेल की दुनिया

कोरोना वैश्विक महामारी कल्पना से परे तकलीफदेह और मारक साबित हुई है. इसके बावजूद तमाम सावधानियों के साथ जीवन धीरे-धीरे पटरी पर लौटने की दिशा में अग्रसर हैघ् विश्व खेल जगत की कहानी भी कुछ अलग नहीं है.. विभिन्न खेल व खेल स्पर्धाएं भी कमोबेश उसी ढर्रे पर मैदानों पर लौटती दिख रही हैं, लेकिन यह कल्पना से परे है कि हजारों खेलप्रेमियों की हौसला अफजाई और तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान जिन स्टेडियमों में उसैन बोल्ट, कार्ल लुईस और मेरियन जोंस जैसे स्टार एथलीट चंद लम्हे में चमत्कारिक प्रदर्शन कर जाते थे या पेले, मैराडोना, रोनाल्डो और लियोनेल मैसी के जादुई प्रदर्शन पर पूरा स्टेडियम झूम उठता था या फिर सुनील गावस्कर, सचिन तेंडुलकर, विव रिचर्ड्स, क्रिस गेल और महेंद्र सिंह धौनी जैसे तमाम स्टार क्रिकेटरों के चौकों-छक्कों पर एक लाख से भी अधिक दर्शकों से भरे स्टेडियमों की गूंज दूर-दूर तक सुनाई देती थी, वहां अब सन्नाटा पसरा होगा. किसी खेलप्रेमी ने ऐसा कभी नहीं सोचा होगा. खेलप्रेमी ही क्यों, खिलाड़ियों ने भी कभी नहीं सोचा

होगा कि उनके ऐतिहासिक प्रदर्शनों के गवाह स्टेडियम में स्टैंड खाली होंगे, कुर्सियां खाली होंगी बहरहाल, इस दौरान यह देखना सुखद है कि ैनेवर गिव अप' के मूलमंत्र के साथ खिलाड़ी और खेल जगत एक बार फिर फर्राटे के साथ दौड़ने की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं. उनके ऐतिहासिक प्रदर्शनों के गगनभेदी जश्न भले ही नहीं मनाये जा रहे होंगे, लेकिन खाली पड़े स्टेडियमों में खेल अपनी गति पकड़ने को निकल पड़ा है. नियति की इस मार को मात देने के लिए विश्व खेल जगत कृतसंकल्प है. इस क्रम में अलग-अलग देशों में क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस, गोल्फ और मोटर रेस की स्पर्धाएं शुरू हो चुकी हैं. खेलप्रेमी टीवी के जरिये खेलों के लुत्फउठा रहे हैं. हालांकि भारत में अब तक कोई स्पर्धा शुरू नहीं हुई है, लेकिन करोड़ों खेलप्रेमियों का इंतजार बस अब समाप्त होने को है. देश में एक त्योहार का रूप ले चुका आइपीएल 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू होने जा रहा है. पूरी उम्मीद है कि यह आयोजन देश में खेल गतिविधियों को एक राह दिखाने में सफल साबित होगा. इस बीच, यह सच है कि पिछले करीबन छह माह से टोक्यो ओलिंपिक समेत तमाम स्पर्धाएं या तो रद्द या फिर स्थगित कर दी गयीं, जिससे खेल जगत ठहर-सा गया. इसके कई दुष्परिणाम सामने आ चुके हैं और आनेवाले कई वर्षों तक खेल जगत इससे पीड़ित रहेगा. खिलाड़ियों पर इस कोरोना महामारी की मार काफी ज्यादा पड़ी है. खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धाएं न मिलने के कारण उनके कौशल प्रशिक्षण से लेकर मानसिक तैयारियां और आर्थिक स्थिति बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं. उदाहरण के तौर पर, हाल ही में संपन्न हुई प्रतिष्ठित चौंपियंस लीग फुटबॉल पर गौर करें, तो रोनाल्डो और मैसी सहित तमाम शीर्षस्थ फुटबॉलरों ने इसमें हिस्सा लिया, लेकिन टीवी पर एक बार भी ऐसा मौका देखने को नहीं मिला, जो दर्शकों को रोमांचित कर सके. सामान्य स्थिति में हजारों मौके ऐसे आये हैं, जब दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट, हौसला अफजाई करनेवाले गानों और लाल, पीले व नीले सागर में तब्दील हो चुके स्टेडियमों के मैक्सिकन वेव के बीच खिलाड़ियों के करिश्माई प्रदर्शन देखने को मिले हैं, लेकिन अब यूरोप में फुटबॉल मुकाबलों में न तो जुनूनी दर्शकों की हंगामाखेज मौजूदगी है और न ही खिलाड़ियों के सामने प्रेरणा. यही वजह है कि अब न तो मैदान पर प्रतिद्वंद्विता चरम पर दिखती है, न ही उत्साह से लबरेज माहौल. चाहे कोई भी खेल हो, खिलाड़ियों के फिटनेस का स्तर गिरा है. खिलाड़ियों को जब निरंतर विश्व स्तरीय प्रतिद्वंद्विता न मिले, तो उनकी तैयारियों पर भी नकारात्मक असर पड़ता है. आप ओलिंपिक खेलों या फिर किसी भी खेल के विश्व कप का ध्यान करें, तो आपको हर बार कई नयी प्रतिभाएं उभरती दिखेंगी और उनके हैरतअंगेज कारनामे आपको रोमांचित करते नजर आयेंगे, लेकिन अब वैसा माहौल नजर नहीं आ रहा है. यही नहीं, दर्शकों की अनुपस्थिति के बीच खेल जगत की आर्थिक स्थिति में भी गिरावट आ गयी है. स्टेडियम में प्रवेश पाने की गेट मनी तो शून्य हो ही गयी है, मैदान के चारों ओर होर्डिंग्स व विज्ञापन प्लेट्स भी गायब हो रहे हैं. आयोजकों को टिकटों व विज्ञापनदाताओं से कमाई बेहद कम या समाप्त होने के अलावा प्रायोजकों से भी आशा के अनुरूप मदद नहीं मिल पा रही है. इस स्थिति में तमाम खेलों में अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, रूस और क्रिकेट में कुछ हद तक भारत, इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया को छोड़ अन्य देशों व खिलाड़ियों को गंभीर आर्थिक संकट से गुजरना होगा. अगले साल तक के लिए स्थगित कर दिये गये टोक्यो ओलिंपिक के आयोजकों की राह भी आसान साबित नहीं होगी. यह एक चिंता की स्थिति है, क्योंकि खिलाड़ियों को खेल जगत ने ही शोहरत के अलावा जबर्दस्त कमाई के जरिये प्रदान किये हैं. अब खेल जगत को ही खिलाड़ियों से अलग-थलग कर दिया जायेगा, तो संकट की स्थिति को टालना बहुत मुश्किल हो जायेगा. इसलिए बदलते समय के साथ खेल से संबंधित गतिविधियों को पटरी पर लाने के लिए बदलती खेल संस्कृति, शैली, माहौल और शिथिल पड़ते रोमांच को वापस लाना ही एकमात्र उपाय होगा. यह सब कोरोना के साये के छंटने पर निर्भर करेगा।

सार समाचार .....

बीसीबी ने श्रीलंका दौरे के लिए मैकमिलन को बल्लेबाजी सलाहकार बनाया

ढाका **एजेंसी।** बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज क्रैग मैकमिलन को श्रीलंका दौरे के लिए टीम का बल्लेबाजी सलाहकार नियुक्त किया है। मैकमिलन नील मैकेंजी की जगह बंगलादेश के बल्लेबाजी सलाहकार बनेंगे जिन्होंने हाल ही में निजी कारणों की वजह से अपने पद से इस्तीफा दिया था। बंगलादेश को इस साल अक्टूबर-नवंबर में दौरा करना है जहां उसे तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज मैकमिलन ने अपने करियर में आठ हजार से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह 2014 से 2019 तक न्यूजीलैंड टीम के बल्लेबाजी और फील्डिंग कोच थे।

अमित मिश्रा के नाम होती आईपीएल इतिहास की चौथी हैट्रिक

नई दिल्ली एजेंसी। भारत की जगह संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले इस आईपीएल सीजन 13का आगाज 19 सितंबर से होने जा रहा है. इस बीच आईपीएल इतिहास के उन तमाम किस्सों की चर्चा होनी तो बनती है, जब अनूठे रिकॉर्ड बनते बनते रह गये. उनमें में एक अवसर ऐसा भी आया था, जब आईपीएल फ्रेंचाइजी टीम दिल्ली कैपिटल्स के फिरकी गेंदबाज अमित मिश्रा आईपीएल इतिहास में चौथी बार विकेटों की हैट्रिक लेने से चूक गए थे. आइए इस लेख में जानते उस मैच का रोमांचक किस्सा. गौरतलब है कि पिछले आईपीएल सीजन 12 के दौरान दिल्ली और राजस्थान रॉयल्स के बीच एक मुकाबला खेला जा रहा था. इस मैच में राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. 11वें ओवर की समाप्ती के बाद राजस्थान रॉयल्स की टीम 4 विकेट पर 57 रन बनाकर जूझ रही थी. तभी दिल्ली के कप्तान श्रेषय अय्यर ने अमित मिश्रा को वापस गेंदबाजी क्रम पर लगाया है. अमित मिश्रा ने 12वें ओवर की पहली गेंद पर राजस्थान के सेट बल्लेबाज श्रेषय गोपाल को ऋषभ पंत के हाथों स्टंप आउट करा दिया. उसके बाद राजस्थान की तरफ से बल्लेबाजी करने आए स्टुअर्ट बिन्नी, लेकिन ओवर की दूसरी गेंद पर अमित मिश्रा ने गुगली फेंकी जिसे बिन्नी समझ नहीं पाए और ऋषभ पंत के दस्तानों में कैच थमा बैठे और इस तरीके से अमित ने 2 लागातार गेंदों में 2 विकेट झटक लिए. अब सबको लग रहा था कि इतिहास अपने आप को फिर से दोहराएगा. अमित मिश्रा के नाम आईपीएल में एक और हैट्रिक होने वाली है. अमित मिश्रा ने तीसरी गेंद पर सब कुछ सही किया. राजस्थान के बल्लेबाज कृष्णप्पा गौतम मिश्रा की गुगली को समझ नहीं पाए गेंद पर लंबा प्रहार करने के चक्कर गौतम ने उसको हवा में हिट कर दिया. बॉल हवा में थी तब तक ऐसा लगा मानो कि अमित मिश्रा आईपीएल में चौथी हैट्रिक लेने का विशेष क्रीर्तिमान हासिल कर लेगें. लेकिन अगले ही पल दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कैच टपका दिया और अमित मिश्रा आईपीएल में चौथी हैट्रिक लेने से चूक गए. हालांकि इस पहले साल 2008, 2011 और 2013 के आईपीएल सीजन में अमित मिश्रा हैट्रिक ले चुके हैं।

जसप्रीत बुमराह ने दी जेम्स एंडरसन को बधाई, युवराज सिंह ने भारतीय पेसर को दे दिया टारगेट

दिल्ली | एजेंसी।

जसप्रीत बुमराह वनडे में सबसे कम मैच में 100 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं।

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच साउथैम्प्टन में खेला गया तीसरा टेस्ट मैच बिना नतीजा समाप्त हो गया। हालांकि, यह टेस्ट मैच इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन के लिए बेहद खास रहा। उन्होंने इस मैच में अपना 600वां टेस्ट विकेट पूरा किया। साथ ही 600 टेस्ट विकेट लेने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज बन गए। उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें बधाइयों का तांता लग गया। विराट कोहली, रोहित शर्मा समेत भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने भी उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। इसी क्रम में जसप्रीत बुमराह का नाम भी शामिल है। हालांकि, उन्होंने ट्वीट कर एंडरसन को बधाई दी। बुमराह ने लिखा, 'इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए जेम्स एंडरसन आपको बधाई। आपका जुनून, साहस और ऊर्जा असाधारण है। चीयर्स और भविष्य के लिए शुभकामनाएं।' जसप्रीत बुमराह के इस ट्वीट पर थोड़ी देर बाद युवराज सिंह ने रिट्वीट किया और इस भारतीय गेंदबाज को एक टारगेट दे दिया। युवराज ने लिखा, 'तुम्हारा कम से कम टारगेट है 400 !!' बता दें कि जसप्रीत बुमराह ने अब तक 14 टेस्ट मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 68 विकेट लिए हैं। इसके अलावा वह 64 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल चुके हैं। इसमें उन्होंने 104 विकेट लिए हैं। बुमराह वनडे में सबसे कम मैच में 100 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं। उन्होंने अपने 57वें मैच में 100वां वनडे विकेट लिया था। इस मामले में मोहम्मद शमी नंबर वन हैं। शमी ने 56 मैच में यह आंकड़ा छुआ था। बुमराह ने अब तक 50 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इसमें वह 59 विकेट ले चुके हैं। वह टी20 इंटरनेशनल में भी सबसे कम मैचों में 50 विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। बुमराह ने 26 जनवरी 2016 को अपना 41वां टी20 इंटरनेशनल मैच खेला था। उसी मैच में उन्होंने अपना 50वां विकेट लिया था। इस मामले में युजवेंद्र चहल पहले नंबर पर हैं। चहल ने पिछले साल 10 नवंबर को नागपुर में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह उपलब्धि अपने नाम की थी। चहल ने महज 34वें टी20 मैच में अपना 50वां शिकार कर लिया था।

पैट्रियाट्स ने हासिल की पहली जीत, एविन लुईस ने जड़े 9 छक्के

नयी दिल्ली , एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2020 का 11वां मुकाबला सेंट कीट्स एंड नेविस पैट्रियाट्स ने अपने नाम किया। उसने बारबाडोस ट्राइडेंट्स को 6 विकेट से हराया। टूर्नामेंट में उसकी यह पहली जीत है। पैट्रियाट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ट्राइडेंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 151 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पैट्रियाट्स ने 19.3 ओवर में 4 विकेट पर 152 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। पैट्रियाट्स की इस जीत में एविन लुईस ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 2 चौके और 9 छक्के की मदद से 60 गेंद पर 89 रन बनाए। विकेटकीपर दिनेश रामदीन ने अच्छा साथ निभाया। लुईस और रामदीन ने तीसरे विकेट के लिए 69 गेंद में 78 रन की साझेदारी की। इस जीत से पैट्रियाट्स को 2 अंक मिले। वह अंक तालिका में अब पांचवें नंबर पर पहुंच गई। आखिरी ओवर में पैट्रियाट्स को जीत के लिए 13 रन चाहिए थे। क्रीज पर बेन डंक और सोहेल तनवीर थे। नईम यंग ने बेन डंक को गेंद फेंकी। वह वाइड हो गई। अगली गेंद पर कोई रन नहीं बना। डंक ने दूसरी गेंद पर छक्का जड़ दिया। अगली गेंद पर डंक ने फिर छक्का जड़ दिया।

जेम्स एंडरसन ने तेज गेंदबाजों के लिए वैसे ही पैमाने तय किए है जैसे सचिन ने बल्लेबाजों के लिए किए थे ग्लेन मैक्ग्रा

नई दिल्ली **एजेंसी।** इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने दुनियाभर के तेज गेंदबाजों ने बहुत ऊंचा पैमाना तय कर दिया है, ठीक वैसे ही जैसे भारत के महान खिलाड़ी सचिन तेंडुलकर ने बल्लेबाजों के लिए किया था- यह कहना है ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा का। एंडरसन ने अपने 156वें टेस्ट मैच में खेलते हुए 600 विकेट का आंकड़ा छुआ। यहां पहुंचने वाले वह दुनिया के पहले तेज गेंदबाज बने। साउथैम्प्टन में खेला गया सीरीज का आखिरी मैच बारिश के कारण ड्रॉ रहा और इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम की। 38 वर्षीय एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में चौथे पायदान पर हैं। मुथैया मुरलीधरन (800), शेन वॉर्न (708) और अनिल कुंबले (619) उनसे आगे हैं। गौरतलब है कि तेज गेंदबाजों में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रेकॉर्ड एंडरसन से पहले मैक्ग्रा के ही नाम दर्ज था। उन्होंने टेस्ट में 563 विकेट लिए थे। उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट में सचिन ने जितने रन बनाए (15921) या जितने मैच खेले (200) उसे कोई नहीं तोड़ने जा रहा। ठीक ऐसा ही एंडरसन ने तेज गेंदबाजी के लिए किया है। दुनिया के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में गिने जाने वाले मैक्ग्रा ने कहा, मेरे पास वह हुनर नहीं था जो जिमी के पास है। जब वह गेंद को दोनों ओर कंट्रोल के साथ स्विंग करवाते हैं तो उनसे बेहतर कोई और नहीं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि वह क्रिकेट के मैदान पर असली महानता को देख रहे थे। उन्होंने कहा, यह झूठ होगा अगर मैं कहूं कि मुझे एंडरसन ऐसे गेंदबाज लगे थे जो इतने विकेट लेंगे। हमने सोचा था कि हमारे पास ऐसा बोलर है जिसके पास स्किल था। उन्होंने कहा, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि 17 साल बाद हम इस बारे में बात कर रहे होंगे कि एंडरसन ने 600 टेस्ट विकेट लिए हैं। स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा, एंडरसन हर इंग्लिश क्रिकेटर के लिए रोल मॉडल हैं। वह हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करते रहते हैं और 600 विकेट भी उन्हें रोक नहीं पाएगा।

लियोनल मेसी ने बार्सिलोना से कहा, क्लब छोड़ना चाहता हूं

बार्सिलोना , **एजेंसी।** दर्जनों खिताब, सैकड़ों गोल और अनगिनत रेकॉर्ड के बाद दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी का बार्सिलोना फुटबॉल क्लब के साथ शानदार करियर का अचानक अंत हो सकता है। इससे पहले हालांकि पूरे मामले के कानूनी दांवपेंच में फंसने की भी संभावना है। मेसी ने मंगलवार को बार्सिलोना से कहा कि वह क्लब छोड़ना चाहते हैं जिससे वह लगभग दो दशक तक जुड़े रहे। मेसी इस सत्र में कोई ट्रोफी नहीं जीत पाने और चैंपियन्स लीग में बायर्न म्यूनिख के हाथों करारी हार से नाखुश थे। बार्सिलोना ने पुष्टि की कि मेसी ने क्लब को एक दस्तावेज भेजा है जिसमें उन्होंने क्लब छोड़ने की इच्छा जताई है। क्लब ने हालांकि संकेत दिए कि यह मामला अदालत तक पहुंच सकता है और कहा कि वह अर्जेंटीना के इस दिग्गज को अपनी मर्जी से क्लब छोड़ने की अनुमति नहीं देगा। बार्सिलोना ने मेसी से कहा है कि क्लब उन्हें अपने साथ जोड़े रखना चाहता है और उसकी इच्छा है कि वह क्लब में रहते हुए ही अपने करियर का अंत करें। मुख्य मसला मेसी के अनुबंध से जुड़ा उपबंध है। बार्सिलोना ने कहा कि मेसी ने जो दस्तावेज भेजे हैं उसमें एक उपबंध का जिक्र किया गया है जो उन्हें बिना किसी परेशानी के क्लब छोड़ने की अनुमति देता है। हालांकि क्लब ने कहा कि इस उपबंध की समयसीमा जून में समाप्त हो गई थी और इसके लिए कानूनी सलाह लेनी होगी। मेसी के करार में 700 मिलियन यूरो का उपबंध भी शामिल है। स्पैनिश सत्र आमतौर पर मई में समाप्त हो जाता है लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इस बार वह आगे तक खिंच गया था। मेसी ने इस सत्र में बार्सिलोना के कुछ फैसलों पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने क्लब के खेल निदेशक एरिक एबिडाल की आलोचना भी की थी जिन्होंने पिछले सप्ताह क्लब छोड़ दिया था। मेसी बायर्न के हाथों हार के बाद से ही चुप थे जिससे उनके भविष्य को लेकर कयास लगाए जाने लगे थे।

सनराइजर्स हैदराबाद की पूरी टीम

नई दिल्ली , एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के लिए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने भी अपनी कमर कस ली है. आईपीएल-2016 की यह विनर टीम 5 बार प्लेऑफ में पहुंची है. इस बार टीम की निगाहें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर की अगुआई में प्ले ऑफ का रिकॉर्ड बरकरार रखते हुए 2016 की सफलता को दोहराने पर है. इसके लिए टीम ने अनुभव के साथ युवा के मिश्रण का संतुलित तालमेल तैयार किया है. सनराइजर्स की एंट्री आईपीएल-2013 से हुई थी. इसके बाद खेले गए 7 सीजन में से पांच में टीम कम से कम प्ले ऑफ यानी आखिरी 4 में पहुंची है. आईपीएल में अब तक 108 मैच खेलकर 57 जीत और 49 हार का सामना कर चुकी सनराइजर्स ने सुपर ओवर में 1 मैच जीता और 1 हारा है. टीम का औसत जीत प्रतिशत 53.70 का रहा है, जो उसे तीसरे नंबर की सफल टीम बनाता है. आईपीएल-2016 में अपना इकलौता खिताब जीतने वाली सनराइजर्स के लिए इसके बाद 2018 का सीजन सबसे ज्यादा सफल रहा है, जिसमें टीम ने अपना दूसरा फाइनल मैच खेला था. हालांकि तब रोमांचक फाइनल में टीम को हार का सामना करना पड़ा था। सनराइजर्स की बल्लेबाजी केवल 3 बल्लेबाजों के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती है. बल्लेबाजी में कप्तान वॉर्नर ही सबसे बड़ी ताकत रहे हैं, जो अब तक 126 मैच में टीम के लिए 43.17 के जबरदस्त औसत और 142.39 के जोरदार स्ट्राइक रेट से 4706 रन बना चुके हैं. औसत के हिसाब से लीग में नंबर-1 वार्नर रनसंख्या में चौथे नंबर पर हैं और 4 शतक व 44 अर्धशतक लगा चुके हैं. वार्नर के बाद टीम सबसे ज्यादा भरोसा न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन पर करती है. केन ने 41 मैच में 38.29 के औसत और 135.06 के स्ट्राइक रेट के साथ 12 अर्धशतक की बदौलत 1302 रन बनाए हैं. मनीष पांडेय भी टीम के मैच विजेता रहे हैं. आईपीएल का पहला भारतीय शतक बनाने वाले मनीष ने 130 मैच में 29.30 के औसत और 120.82 के स्ट्राइक रेट से इस लीग में आज तक 2843 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं. इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो पर भी निगाहें रहेंगी, जो आईपीएल-2019 के अपने इकलौते सीजन में 10 मैच में 445 रन ठोके थे. बेयरस्टो ने 1 शतक और 2 अर्धशतक बनाए थे. टीम के दोनों ऑलराउंडर विजय शंकर और अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी से भी बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद करेगी. सनराइजर्स की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और लेग स्पिनर राशिद खान के हाथ में रहेगी, जो दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों में शुमार किए जाते हैं. अब तक 117 मैच में 133 विकेट चटका चुके भुवी को इस समय टी20 क्रिकेट में पॉवर प्ले और डेथ ओवर्स का बेस्ट गेंदबाज माना जाता है. वो दो बार पर्पल कैप भी जीत चुके हैं. राशिद खान ने 46 मैच में 55 विकेट चटकाए हैं, जिसमें एक हैट्रिक भी शामिल है. उनका 21.69 का औसत और 6.55 का इकोनॉमी रेट उन्हें मैच विजेता साबित करता है. भुवी और राशिद को सिद्धार्थ कौल (45 मैच में 49 विकेट) और संदीप शर्मा (79 मैच में 95 विकेट) से मदद मिलेगी।

क्रिकेट में सबसे तेज डबल सेंचुरी लगाने वाले टॉप 3 बल्लेबाज

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तूफानी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को उनकी ताबड़तोड़ पारियों के लिए जाना जाता था. वनडे हो या टेस्ट उन्हें सिर्फ सामने वाली टीम के गेंदबाजों की धुलाई से मतलब हुआ करता था.

दिल्ली | एजेंसी।

क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में से टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए मुश्किल हो जाता है. लेकिन इसके बाद भी टेस्ट क्रिकेट की दुनिया में कई दिग्गज ऐसे भी हुए हैं, जिन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से अपना नाम किया है. टेस्ट क्रिकेट में धुआंधार बल्लेबाजी करने का दम कुछ ही खिलाड़ियों में है. वैसे तो क्रिकेट के इस सबसे लंबे प्रारूप में बल्लेबाज काफी धीमी गति से रन बनाते हैं, लेकिन कुछ हैं जो आते ही

तूफानी पारी खेलने का दम रखते हैं. तो चलिए आज की इस स्टोरी में हम आपको उन बल्लेबाजों के बारे में बताते हैं, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज दोहरे शतक लगाये हैं. न्यूजीलैंड के धाकड़ खिलाड़ी नाथन एस्टल ने साल 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले गए टेस्ट मैच में सबसे तेज दोहरा शतक बनाने का कारनामा किया था. इस पारी में नाथन एस्टल ने कुल 153 गेंदों पर ही अपना दोहरा शतक पूरा कर लिया था. आपको बता दें कि इस मैच में एस्टल ने 168 गेंदों का सामना करते हुए 222 रन अपने नाम किए थे. तब नाथन एस्टल ने 11 छक्के भी जड़े थे. इंग्लैंड के बेहतरीन ऑलराउंडर बेन स्टोक्स का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है. स्टोक्स ने साल 2016 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में खेले गए टेस्ट मैच में 163 गेंदों में दोहरा शतक बना लिया था. इस टेस्ट मैच में उन्होंने 198 गेंदें खेलकर 258 रनों की नाबाद पारी खेली थी. इस दौरान स्टोक्स ने 11 छक्के भी लगाए थे, हालांकि ये मैच ड्रॉ हो गया था. भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तूफानी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को उनकी ताबड़तोड़ पारियों के लिए जाना जाता था. वनडे हो या टेस्ट उन्हें सिर्फ सामने वाली टीम के गेंदबाजों की धुलाई से मतलब हुआ करता था. ऐसा ही साल 2009 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ मुंबई में खेले गए टेस्ट में भी किया था. वीरू ने इस दौरान पहली पारी में 168 गेंदों में डबल सेंचुरी लगाई थी।

मुजीब उर रहमान की कातिलाना गेंदबाजी के दम पर जीत की राह पर लौटे जमैका तलावाहास

नई दिल्ली | एजेंसी।

जमैका तलावाहास ने कैरेबियन प्रीमियर लीग में गुयाना अमेजन वॉरियर्स को 5 विकेट से हराया। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2020 के 12वें मैच में जमैका तलावाहास ने गुयाना अमेजन वॉरियर्स को 5 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ उसने अपने हार के क्रम को तोड़ा। साथ ही प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा रखीं। भारतीय समयानुसार आज यानी 26 अगस्त की सुबह खत्म हुए इस मैच में जमैका के मुजीब उर रहमान ने अपनी गेंदबाजी का कहर बरपाया। उन्होंने 4 ओवर में महज 11 रन देकर 3 बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। उन्होंने एक ओवर मेडन भी डाला। मुजीब ने शिमरॉन हेटमेयर, निकोलस पूरन और वॉरियर्स के कप्तान क्रिस ग्रीन को अपना शिकार बनाया। मुजीब के अलावा फिडेल एडवर्ड्स ने भी शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा पेश किया। एडवर्ड्स ने 4 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट लिए। आंद्रे रसेल ने 3 ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लिया। संदीप लमिछने भी 12 रन देकर एक विकेट लेने में सफल रहे। इस मैच में जमैका ने टॉस जीता और गेंदबाजी का फैसला किया। गुयाना अमेजन वॉरियर्स 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 108 रन ही बना पाए। वॉरियर्स की ओर से रॉस टेलर (23), पूरन (15) और नवीन-उल-हक (20) ही दहाई का आंकड़ा छू पाए। चार बल्लेबाज 5 या उससे कम के स्कोर पर पवेलियन लौटे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जमैका तालावाहस ने 18 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 113 रन बनाकर मैच जीत लिया। हालांकि, जमैका की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। उसका पहला विकेट दूसरे ओवर में ही गिर गया था। तब उसका स्कोर सिर्फ 6 रन था। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स और जर्मेन ब्लैकवुड ने दूसरे विकेट के लिए 34 रन की साझेदारी की। हालांकि, यह साझेदारी टूटते ही थोड़े-थोड़े अंतराल पर जमैका के बल्लेबाज आउट होते रहे। आंद्रे रसेल सातवें बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरे। उन्होंने निकुरमाह बोनर के साथ संभलकर बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। रसेल ने अपने स्वभाव के विपरीत धीमी बल्लेबाजी करते हुए 20 गेंद में 23 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक चौका और एक छक्का भी लगाया। वहीं बोनर ने 32 गेंद में 30 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 चौके और एक छक्का लगाया। इस जीत से जमैका के अंक तालिका में चौथे नंबर पर पहुंच गई है।

विराट कोहली ने दर्ज की एक और उपलब्धि

रन मशीन के नाम से मशहूर कोहली के इंस्टाग्राम पर फिलहाल फॉलोअर्स 75.6 मिलियन हैं।

नई दिल्ली | एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली मौजूदा दौर के सबसे लोकप्रिय क्रिकेटर्स में शुमार हैं। कोहली के चाहने वाले सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि देश के बाहर भी बड़ी संख्या में मौजूद हैं। सोशल मीडिया साइट्स पर उनके चाहने वाले दुनिया के हर कोने से हैं। बल्ले से तमाम रिकॉर्ड बनाने वाले कोहली ने अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज करा ली है। बता दें कि इंस्टाग्राम पर विराट कोहली के फॉलोअर्स का आंकड़ा 75 मिलियन पार कर गया है। विराट कोहली के फेसबुक पर 36.9 और ट्विटर पर 37.3 फॉलोअर्स हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि विराट के सभी नेटवर्किंग साइट पर लगभग 150 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इंस्टाग्राम पर 75.6 मिलियन फॉलोअर्स के साथ ही विराट पहले ऐसे एशियाई सिलेब्रिटी बन गए हैं, जिनके 75 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। विराट कोहली एशिया की 40 टॉप सिलेब्रिटीज में शामिल हो गए। हाल ही में उन्होंने प्रसिद्ध म्यूजिशियन कार्डी बी को पीछे छोड़ते हुए इस

लिस्ट में 29वां स्थान हासिल किया था। गौरतलब है कि भारतीय कप्तान इंस्टाग्राम पर चौथे सबसे ज्यादा फॉलो करने वाले एथलीट हैं। वह क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनल मेस्सी और नेयमार जूनियर से पीछे हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 238 मिलियन फॉलोअर्स हैं। संगीतकार और अभिनेत्री अराइना ग्रेंडे 199 मिलियन फॉलोअर्स के साथ दूसरे नंबर पर हैं। हॉलीवुड स्टार ड्वेन जॉनसन द रॉक 194 मिलियन फॉलोअर्स के साथ तीसरे नंबर पर हैं। दिल्ली में जन्मे विराट कोहली तकरीबन छह महीने से ब्रेक पर हैं। कोरोना वायरस की वजह से मार्च से ही भारत में क्रिकेट गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई थीं। विराट ने आखिरी मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ फरवरी में खेला था। अब वह आईपीएल के 13वें संस्करण में खेलते दिखाई पड़ेंगे। आईपीएल 2020 इस साल 19 सितंबर से 10 नवंबर के बीच यूएई में खेला जाएगा। आईपीएल के दुबई,आबू धाबी और शारजाह में तीन वेन्यू पर खेले जाएंगे। बता दें कि विराट कोहली के नेतृत्व में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) 22 अगस्त को यूएई पहुंच चुकी है। टीम जरूरी क्वारंटाइन में सात दिन का वक्त गुजार रही है। इसके बाद टीम अभ्यास शुरू होगा। विराट अबतक आईपीएल के 177 मैचों में 37.8 की औसत से 5412 रन बना चुके हैं।

एक नजर.....

अंकिता लोखंडे ने मराठी पारंपरिक अंदाज में की गौरी-गणपति की पूजा

गणेश चतुर्थी का पर्व पूरे देश में इन दिनों जोरों-शोरों से मनाया जा रहा है। खासतौर पर यह पर्व महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाते हैं। कई फिल्मी सितारे गणेश चतुर्थी पर गणपति बप्पा की मूर्ति की स्थापना करते हैं। बता दें कि महालक्ष्मी व्रत की शुरुआत भी गणेश चतुर्थी के साथ अष्टमी के दिन होती है। यह पर्व महाराष्ट्र में हर्षोल्लास से मनाते हैं। इस पर्व को एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने मनाया जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर बेहद सक्रीय अंकिता लोखंडे रहती हैं। हालांकि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में अंकिता ने मीडिया के सामने आकर अपनी बात कही थी जिसके बाद लगातार वह अपनी प्रतिक्रिया दे रही हैं। ऐसे में महालक्ष्मी की पूजा अंकिता ने परिवार संग की जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि मेहरून रंग की साड़ी अंकिता लोखंडे ने पहनी हुई है और उसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। फैंस को हमेशा से एक्ट्रेस का पारंपरिक मराठी अवतार पसंद आता रहा है। अंकिता के साथ तस्वीरों में उनकी मां वंदना भी पूजा करती दिखाई दे रही हैं। इंस्टाग्राम पर कई पोस्ट अंकिता ने साझा की हैं। उसमें से एक पोस्ट में अंकिता ने लिखा, भगवान हमारे साथ है। फैंस को अंकिता और सुशांत का पॉपुलर शो श्पवित्र रिश्ताश् उनके इस लुक को देखकर याद आया। अंकिता की इन तस्वीरों को फैंस ने पवित्र रिश्ता की अर्चना से उनकी तुलना कर दी। गणेश चतुर्थी के दिन गणपति बप्पाअंकिता के घर इससे पहले आए थे। उस दौरान भी अंकिता ने खूबसूरती से गणेश जी का स्वागत किया। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ अंकिता लोखंडे का 6 साल का रिलेशन रहा था। दोनों ने साल 2016 में ब्रेकअप कर लिया था। लगातार अंकिता अपना समर्थन सुशांत के निधन के बाद उनको न्याय दिलाने में दे रही हैं। सुशांत सिंह राजपूत के बारे में अंकिता ने कई न्यूज चौनल पर जानकारियां साझा की थीं। पिछले दो महीने से सोशल मीडिया पर सुशांत सिंह राजपूत के लिए इंसाफ दिलाने के लिए लगातार फैंस कैंपेन चला रहे हैं और अंकिता उनका भी समर्थन कर रही है।

ईशान खट्टर और अनन्या पांडे स्टारर खाली पीली

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर और चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडेइस समय अपनी अपकमिंग फिल्म खाली पीली के चलते लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर निर्माताओं ने रिलीज किया है। फिल्म के टीजर को जहां कई लोगों ने पसंद किया। वहीं कई लोगों ने सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु के बाद बॉलीवुड में चल रही नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद) पर बहस के इसे नापसंद किया है। बीते दिनों ही ट्विटर कई यूजर्स द्वारा ट्विटर भी ट्रेंड कराया गया। लेकिन इन सभी के बीच एक अच्छी खबर सामने आई है और वो यह है कि जिन लोगों को इसका टीजर पसंद वो फिल्म जो जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख पाएंगे। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माताओं ने इसके डिजिटल रिलीज के लिए तारीख भी तय की है। बैनर ने गांधी जयंती (2 अक्टूबर) को खाली पीली की रिलीज की डेट को लॉक कर दिया है। जी स्टूडियोज इसे केवल अपने होम प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम करेगा। इस फिल्म में ईशान खट्टर और अनन्या पांडे की फ्रेश जोड़ी पहली बार ऑनस्क्रीन रोमांस करती दिखाई देगी। फिल्म एक ट्रेलर ने दोनों स्टार्स के जबरदस्त एक्शन सीन्स देखने को मिले। ईशान खट्टर और अनन्या पांडे की फिल्म खाली पीली की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और एक दिन का शूटि बाकि है। फिल्म का पैचवर्क जारी है और पूरी टीम ने इसे खत्म करने के लिए एक योजना बनाई है। उन्हें इसे पूरी तरह से कम्पलीट के लिए अधिकतम एक या दो दिन शूट करने की जरूरत है। अनन्या और ईशान उन सीन्स को आने वाले कुछ दिनों में एक नियंत्रित सेट में फिल्माएंगे और उम्मीद है कि यह सितंबर के पहले सप्ताह में सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों के बीच मुंबई में किया जाएगा।

कपिल शर्मा के साथ दोबारा काम

क्या रिया चक्रवर्ती चुपचाप सुशांत सिंह राजपूत को प्रतिबंधित दवाएं खिलाती थीं?

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मामले में उनके परिवार के वकील विकास सिंह ने आज फिर बयान दिया है. विकास सिंह ने कहा कि सुशांत के परिवार ने जब एफआईआर दर्ज करवाई तो उनके मन में यह शंका थी कि सुशांत को दवाओं का ओवरडोज दिया जा रहा था, जिससे उनका मानसिक संतुलन बिगड़ा. लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि उसे जो दवा दी जा रही थी वह प्रतिबंधित दवाएं थीं. अगर सुशांत सिंह को प्रतिबंधित दवाएं दी जा रही थीं, तो वे आत्महत्या और हत्या तक की वजह हो सकती है. ऐसे में यह मामला नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो से संबंधित भी हो जायेगा और कार्रवाई की गुंजाईश भी बढ़ेगी. गौरतलब है कि सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती का आज एक व्हाट्सएप चौट सामने आया है, जिससे इस बात का खुलासा हो रहा है कि वह सुशांत को कुछ ड्रग्स देती थीं. टाइम्स नाउ की खबर के मुताबिक रिया ड्रग्स लेती थीं जिसका खुलासा उनके चौट से होता है. इस चौट में कई ड्रग के सेवन का खुलासा होता है. हालांकि इस चौट के सामने आने के बाद रिया के वकील सतीश मनेशिंदे ने कहा है कि यह चौट फर्जी है. उन्होंने कहा कि रिया ने अपने जीवन में कभी भी ड्रग का सेवन नहीं किया है. वकील ने कहा कि रिया कभी भी ब्लड टेस्ट कराने के लिए तैयार है. गौरतलब है कि सीबीआई ने सुशांत की मौत की जांच तेज कर दी है और वह रोज इस मामले से संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है. बीच में ऐसी खबरें आयीं थी कि सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती को भी पूछताछ के लिए समन किया है. हालांकि उनके वकील ने कहा कि रिया और उसके परिजनों को कोई समन नहीं मिला है. इधर सीबीआई सुशांत का मनोवैज्ञानिक परीक्षण करने की तैयारी कर ही है जिसे दिमाग का पोस्टमार्टम कहा जाता है.

महेश भट्ट के बाद अब मुकेश भट्ट के साथ रिया चक्रवर्ती का पुराना वीडियो हुआ वायरल

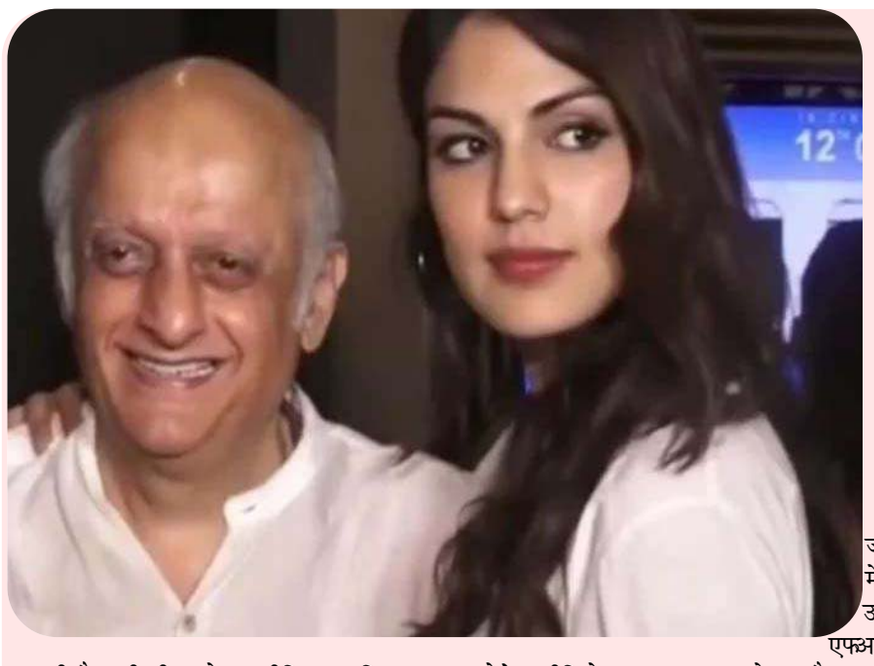

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन को दो महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है। फिलहाल प्राइम सस्पेक्ट इस केस में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बनी हुई हैं। बिहार पटना में रिया और उनकी फैमिली के खिलाफ सुशांत के पिता केके सिंह ने एफआईआर करवाई थी। हालांकि अब सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। इसी बीच सोशल मीडिया पर रिया का एक थ्रोबेक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में महेश भट्ट के भाई मुकेश भट्ट के साथ रिया दिखाई दे रही हैं।वीडियो में देखा जा सकता है कि मुकेश भट्ट को सबसे पहले गले रिया लगाती हुई दिखती हैं उसके बाद वह पपराजी को पोज देती हैं। फिर वह फोटोग्राफर को कहा कि अच्छी वाली फोटो अब डालना। सुशांत की मौत के बाद लगातार फैंस भट्ट फैमिली को लेकर बहुत नाराजगी दिखा रही हैं। मुकेश भट्ट ने एक स्टेटमेंट सुशांत की मौत के बाद कहा था कि उन्हें इस बात का एहसास काफी पहले हो चुका था कि सुशांत के साथ सबकुछ ठीक नहीं है। एक निजी न्यूज चेंनल पर इंटरव्यू देते समय मुकेश भट्ट ने कहा था कि उन्होंने भांप लिया था कि उनकी लाइफ में कुछ ठीक नहीं है। महेश भट्ट से भी उन्होंने बात की थी और इस तरफ इशारा किया था। महेश ने कहा कि सुशांत से बाचतीच करते हुए यह महसूस हो गया था कि कुछ गड़बड़ है। दरअसल सड़क 2 को लेकर बातचीत उस वक्त दोनों कर रहे थे। मुकेश ने आगे कहा था कि उन्हें यह एहसास होन लगा था कि सुशांत सिंह राजपूत, परवीन बाबी की तरह हरकतें करने लगे थे।मुकेश भट्ट के इस बयान के बाद लोगों का गुस्सा मुकेश भट्ट पर भी निकला।सोशल मीडिया पर महेश भट्ट और रिया चक्रवर्ती के बीच की वॉट्सऐप चौट हाल ही में सामने आई। जिसमें जब रिया ने सुशांत का घर 8 जून को छोड़ने से पहले महेश भट्ट से की थी। महेश भट्ट को रिया ने इस मेसेज में लिखा है, आयशा आगे बढ़ गई है सर, भारी दिल और शांति के साथ। आपके साथ आखिरी बातचीत ने मेरी आंखें खोल दी। आप मेरे एंजेल हैं। आप तब भी थे और आज भी हैं। महेश भट्ट ने रिया के मेसेज का जवाब दिया, अब पीछे मुड़कर मत देखना। अपने पिता को मेरा प्यार देना। अब वह खुश होंगे।

संजय दत्त की तबीयत को लेकर उड़ रही अफवाहों पर करीबी दोस्त ने लगाया विराम

उन्होंने कहा था, संजू के सभी प्रशंसकों और शुभचिंतकोंको मैं उनके प्यार और गर्मजोशी के लिए धन्यवाद देती हूं.

अभिनेता संजय दत्त को पिछले हफ्ते ही लंग कैंसर से जूझ रहे हैं. अभी तक की खबरों के मुताबिक संजय दत्त मुंबई के कोकिलाबेन अस्तपाल में ही इस बीमारी का इलाज करा रहे हैं. इस बीच संजय दत्त की सेहत को लेकर कई तरह की अफवाहें थी कि उन्हें लास्ट स्टेज का कैंसर है. अब इसपर संजय दत्त करीबी दोस्त और प्रोड्यूसर राहुल मित्रा ने चुप्पी तोड़ते हुए अहम जानकारी दी है. यह बिलकुल बकवास है. संजू का मुंबई में प्रारंभिक इलाज चल रहा है और कुछ परीक्षणों के परिणाम आने बाकी हैं. वह एक फाइटर हैं और इसमें से एक विजेता उभर कर आएगा. यह प्रतिक्रिया सिर्फ भावना पर आधारित नहीं है बल्कि तथ्य भी है. कृपया अटकलें बंद करें, और अगर फिर भी आपको कुछ करना है, तो बस उनके लिए प्रार्थनाएं करें. खबरें आ रही हैं संजय दत्त इलाज के लिए न्यूयॉर्क रवाना हो सकते हैं. मिड डे ने एक सूत्र के हवाले से लिखा, संजय दत्त ने न्यूयॉर्क के लिए वीजा अप्लाई किया था. लेकिन 1993 मुंबई ब्लास्ट केस में

अभिनेता का नाम होने की वजह से उन्हें वीजा मिलने में परेशानी आ रही थी. अब दत्त के एक दोस्त ने मेडिकल ग्राउंड के आधार पर 5 साल का वीजा दिलाने में मदद की है. खबरें हैं कि संजय दत्त मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए छुट्टी लेने से पहले अपनी आने वाली फिल्म सड़क 2 की डबिंग पूरी करेंगे. संजय दत्त ने मंगलवार को कहा था कि वह स्वास्थ्य कारणों से अपने काम से कुछ दिनों का अवकाश लेंगे. पिछले दिनों संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त ने सभी प्रशंसकों के प्यार और आशीर्वाद के लिए उन्हें धन्यवाद कहा था. संजू अपने जीवन में कई उतार-चढ़ावों से गुजरे हैं, लेकिन हर कठिन दौर से गुजरने के दौरान हमेशा आपके प्यार और सहयोग ने उन्हें हिम्मत दी है. इसके लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे. अब हमें एक और चुनौती के के लिए चुना गया है और मुझे पता है वही प्यार और गर्मजोशी हमें उससे निकलने में मदद करेगा.

यश स्टारर केजीएफ चैप्टर 2 की शूटिंग हुई शुरू

साउथ सुपरस्टार यश स्टारर केजीएफ चैप्टर 2 इस साल रिलीज होने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। पहले पार्ट की जबरदस्त सक्सेस के बाद से ही फैंस इसके दूसरी पार्ट के रिलीज होने का बड़ी बेताबी से इंतजार कर रहे हैं। इस साल की शुरुआत में फिल्म की ज्यादातर शूटिंग को पूरा कर लिया गया था, लेकिन मार्च में कोरोना वायरस के कहर को देखते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉकडाउन की घोषणा की थी। जिसके बाद सभी फिल्मों की शूटिंग पर बीच ताला लग गया था। हालांकि, अनलॉक 1 और 2 के तहत नई गाइडलाइन्स के साथ फिल्मों की शूटिंग दोबारा शुरू हो गई है। हाल ही में फिल्म के बैनर ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है कि केजीएफ चैप्टर 2 की शूटिंग उन्होंने सभी सुरक्षा उपायों के साथ शुरू कर दी है। हम्बल फिल्म्स ने जानकारी दी है कि फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 में साउथ और बॉलीवुड के जाने-माने स्टार प्रकाश राज की जबरदस्त एंट्री हो गई है। बैनर ने ट्वीट किया है, बोर्ड पर आपका स्वागत है प्रकाश राज। सभी सुरक्षा उपायों के साथ लॉकडाउन के बाद केजीएफ चैप्टर 2 की शूट शुरू कर दी गई है। प्रशांत नील द्वारा निर्देशित यश की केजीएफ 2 की टीम बैंगलोर में सेट पर वापस आ गई है और फिल्म को पूरा करने के लिए उत्सुक है। फिल्म मकी लगभग 10 से 15 दिन की शूटिंग बाकी है और उम्मीद है इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। केजीएफ चैप्टर 2 में रवीना टंडन और संजय दत्तभी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। संजय दत्त फिल्म में अधीरा का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। बीते दिनों ही अभिनेता के जन्मदिन पर फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी जारी किया गया था। इस लुक को देखने के बाद फैंस को बेताबी और बढ़ गई है। फिलहाल, संजय दत्त काम से ब्रेक पर है और वो लंग कैंसर का इलाज कराने के लिए यूएस भी जा सकते हैं। फिल्म में अधीरा का लुक वाइकिंग्स से प्रेरित है। संजय दत्त ने भी अपने लुक के बारे में बात करते हुए कहा था कि केजीएफ में अधीरा का करैक्टर बहुत शक्तिशाली है। यदि आपने एवेंजर्स देखा है, तो आप जानते हैं कि थानोस कितना शक्तिशाली है।

इस प्यार को क्या नाम दूं फेम संगीता श्रीवास्तव ने ली कोकिलाबेन अस्पताल में ली अंतिम सांस

साल 2020 एक के बाद एक बुरी खबरें लेकर आ रहा है और इसका कोई अंत नहीं हो रहा है। लॉकडाउन के बाद से ही फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को करोड़ों का नुकसान हुआ है और बीते कई दिनों से इंडस्ट्री को एक के बाद एक झटका मिल रहा है। ऋषि कपूर, इरफान खान, सुशांत सिंह राजपूत और समीर शर्मा के बाद अब संगीता श्रीवास्तव को लेकर बुरी खबर सामने आई है। संगीता श्रीवास्तव ने कल यानि कि 25 अगस्त 2020 की सुबह को मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में अंतिम सांस ली है। संगीता श्रीवास्तव टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस है और अपने एक्टिंग करियर में उन्होंने कई सीरियल्स में अहम भूमिका अदा की थी। टेलीचक्कर की एक रिपोर्ट की मानें तो संगीता श्रीवास्तव काफी लम्बे समय से बीमार चल रही थी और कोकिलाबेन अस्पताल में ही उनका इलाज चल रहा था। रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है कि संगीता श्रीवास्तव वस्क्यूलिटिस नाम की बीमारी से जूझ रही थी। संगीता श्रीवास्तव ने बरुन सोबती और सनाया ईरानी के सुपरहिट सीरियल इस प्यार को क्या नाम दूं में अहम रोल अदा किया था। संगीता श्रीवास्तव ने इस प्यार को क्या नाम दूं के अलावा थपकी प्यार की और भंवर जैसे सीरियल्स में भी काम किया था। सीरियल इस प्यार को क्या नां दूं फेम समीर शर्मा के घर से उनका शव बरामद किया गया है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि समीर शर्मा ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी।

ट्विटर पर मिर्जापुर-2 को बायकॉट करने की उठी मांग,अली फजल के पुराने ट्वीट को लेकर छिड़ी जंग

जिस मच अवेटेड वेब सीरीज मिर्जापुर 2 के रिलीज होने का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे,तो वहीं अब सीरीज को बायकॉट करने की मांग उठने लगी है। जी हां बीते सोमवार को वेब सीरीज मिर्जापुर 2 की रिलीज डेट की घोषणा हो गई। बताया गया इसकी स्ट्रीमिंग 28 अक्टूबर से होगी। मगर अब लगता है कि मिर्जापुर 2 पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं तभी तो ट्विटर पर अब ट्रेंड कर रहा है। बता दें,इस वेब सीरीज के बायकॉट होने की वजह कुछ और नहीं बल्कि एक्टर अली फजल का एक पुराना ट्वीट है। दरअसल पिछले साल सीएए प्रोटेस्ट के समय अली ने मिर्जापुर का एक डायलॉग तंज के तौर पर ट्वीट किया था,जिसमें उन्होंने लिखा शुरू मजबूरी में किए थे, अब मजा आ रहा है। इसके अलावा अपने एक अन्य ट्वीट में अली फजल ने लिखा था, याद रहे अगला कदम यह साबित करना नहीं कि यह एक शांतिपूर्ण आंदोलन था बल्कधि् इसकी जांच करना और असली घुसपैठियों से पर्दा फाश करना है और बाहर से इस आंदोलन में घुसे और हिंसा की। हालांकि एक्टर ने बाद में ये सारे ट्वीट्स डिलीट भी कर दिए थे,परन्तु अब मिर्जापुर 2 की रिलीज होने की बात लोगों को हजम नहीं हुई और उनकी सीरीज को निशाने पर लिया गया। जी हां ट्रोलर्स उनपर टारगेट कर अली के शो का बहिष्कार करने की मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं एक यूजर ने तो मिर्जापुर 2 बायकॉट करने के पीछे का कारण इस सीरीज के प्रड्यूसर फरहान अख्तर को बता दिया। एक ओर जहां सीरीज को बायकॉट करने की मांग उठ रही है,तो वहीं दूसरी तरफ बहुत से ऐसे लोग भी हैं जो इस सीरीज जबरदस्त फैन हैं और इसके सपॉर्ट में मीम्स शेयर कर रहे हैं। साथ ही उनका कहना है वो मिर्जापुर 2 जरूर देखेंगे।

लालबाग के राजा गणपति उत्सव में रेमो डिसूजा ने ब्लड डोनेट किया, फैंस कर रहे हैं जमकर तारीफ

गणेश चतुर्थी का त्योहार महाराष्ट्र में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। गणेशोत्सव पर अपने घरों में बॉलीवुड के कई सितारे गणपति बप्पा की मूर्ति की स्थापना करते हैं। मुंबई के लालबाग में प्रसिद्ध लालबागचा राजा गणपति उत्सव की धूम इस साल भी हमेशा की तरह है। लालबाग में रक्तदान शिविर का गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान आयोजन होता है। इस रक्तदान शिविर में फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा ने हिस्सा लिया। इस पर फैंस ने उनकी जमकर तारीफकी है। मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा गणपति उत्सव में सोमवार 24 अगस्त को फिल्म निर्माता रेमो डिसूजा ने रक्तदान दिया। इस दौरान की कुछ तस्वीरें रेमो ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की और इस रक्तदान के बारे में बताया। लगातार फैंस सोशल मीडिया पर उनकी जमकर सरहाना कर रहे हैं।

रेमो ने तस्वीर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, बप्पा ने हमेशा हम पर अपना आशीर्वाद बरसाया है। लालबागचा राजा गणपति उत्सव के दौरान रक्तदान और प्लाज्मा दान अभियान एक बहुत अच्छी पहल है। मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि इसमें भाग ले सका। हालांकि किट भी रेमो ने साथ में दान की और उसके अंदर मास्क, हेड कवर, अल्कोहल वाइप्स, दस्ताने, शू कवर और सैनिटाइज हैं। दरअसल गणेश चतुर्थी का पर्व रेमो डिसूजा ने अपने घर पर भी मनाया। भगवान गणेश की मूर्ती को अपने घर पर रेमो डिसूजा ने स्थापित किया। उसके बाद उन्होंने बप्पा का विसर्जन पूजा के बाद अपने घर पर ही कर दिया। सोशल मीडिया पर इससे जूड़े कुछ वीडियो रेमो डिसूजा ने साझा किए हैं।

बॉयफ्रेंड रोहमन के साथ सुष्मिता सेन का क्यूट वीडियो आया सामने

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन काफी लंबे समय से मॉडल रोहमन शॉल को डेट कर रही हैं। अकसर सुष्मिता और रोहमन शॉल साथ में दिखाई देते हैं। दोनों के बीच में केमिस्ट्री शानदार है। हाल ही में सुष्मिता के घर के बाहर दोनों को स्पॉट किया गया।रोहमन का इस दौरान सुष्मिता के प्रति के स्वीट जेस्चर दिखाई दिया जो लोगों को बहुत पसंद आ रहा है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।